पटना ●गुरुवार, 29 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:229 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

दस्त नियंत्रण कार्यक्रम की जिला... 3 www. bordernewsmirror.com मुंबई का स्पेशल नाश्ता... 8

240 वाली जीत के बाद भी कितने लोग हैं साथ

● भाजपा सदस्यता अभियान से आंकेगी अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा जनवरी 2025 तक नए अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। इससे पहले पार्टी सदस्यता अभियान चलाने जा रही है, जिसके पहले चरण की शुरुआत 2 सितंबर से होगी। इसके तहत मिस्ड कॉल, वॉट्सऐप और नमो ऐप के जरिए लोगों को भाजपा का सदस्य बनने का मौका मिलेगा। इसके अलावा क्यूआर कोड स्कैन करके भी मेंबरशिप ली जा सकती है। भाजपा अकसर सदस्यता अभियान चलाती है। लेकिन इस बार यह अहम है क्योंकि लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीतने के बाद वह देखना चाहेगी कि आखिर लोगों में उससे जुड़ने के लिए कितना उत्साह है। इससे पहले 2015 में जब अमित शाह के नेतृत्व में व्यापक अभियान चला था तो भाजपा ने 18 करोड़ मेंबर्स का दावा किया था। इसके आधार पर ही भाजपा ने खुद को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल कहना शुरू किया था। भाजपा

के महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि पार्टी हर 6 महीने पर सक्रिय सदस्यतों को दोबारा से मेंबरशिप देती है। कोरोना के चलते यह प्रक्रिया रुक गई थी। पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा इस अभियान का 2 सितंबर की शाम को शुभारंभ करेंगे। वहीं नए सदस्यों के लिए भाजपा हर तीन साल पर अभियान चलाती है। मिस्ड कॉल से मेंबर बनाने वाले कॉन्सेप्ट भी अमित शाह के अध्यक्ष रहने के दौरान ही साम ने आया था। इस बार भाजपा यह देखना चाहेगी कि उसके साथ कितने मेंबर जुड़ते हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अबकी बार 400 पार का नारा दिया था, लेकिन नतीजे आए तो 240 पर ही ठहर गई। ऐसे में वह अपनी ताकत को भी आंकना चाहेगी कि आखिर जमीनी स्तर पर अब भी कितने लोग उसके साथ जुड़ने के इच्छुक हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को भी ऐक्टिव करने की कोशिश की जाएगी। माना जा रहा है कि पिछला रिकॉर्ड तोड़ पाना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा सक्रिय सदस्यों की संख्या को बढ़ाने के लिए भी पार्टी को जोर लगाना पड़ेगा। बता दें कि भाजपा में सक्रिय सदस्य ही पार्टी के संगठन चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं। इन्हीं कार्यकर्ताओं को मंडल अध्यक्ष से लेकर ऊपर तक के पदों पर चुनाव लड़ने का मौका मिलता है।

बंगाल में बीजेपी के बंद में हिंसा, फायरिंग और हमला

● भाजपा नेता की कार पर हुई फायरिंग, बम भी फेंके गए ● ममता बोलीं-16 दिन से सीबीआई जांच जारी, कहां है न्याय

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में छात्र संगठनों के प्रोटेस्ट मार्च के बाद भाजपा ने बुधवार को 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया है। बंद के दौरान कई जिलों में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई है। कई नेताओं-वर्कर्स को हिरासत में लिया गया है।

नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता प्रियंगु पांडे की कार पर फायरिंग हुई। प्रियंगु ने बताया- टीएमसी के लगभग 50-60 लोगों ने हमला किया। गाड़ी पर 6-7 राउंड फायरिंग की और बम फेंके गए। ड्राइवर समेत दो लोगों को गोली लगी है। एक गंभीर है। नादिया और मंगलबाड़ी चौरंगी में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। टीएमसी समर्थकों ने भाजपाइयों पर लाठी-डंडे से हमला किया। बनगांव और बारासात दक्षिण में ट्रेनें रोकी गईं। भाजपा 27 अगस्त को कोलकाता में छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और उन्हें हिरासत में लेने का विरोध कर रही है। बंगाल बंद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सीबीआई को रेप-मर्डर केस की जांच सौंपे 16 दिन बीत गए हैं। कहां है न्याय। सीएम ने कहा- भाजपा बंगाल को बदनाम कर रही है। भाजपा ने कभी भी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मणिपुर के मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे की मांग नहीं की। कलकत्ता हाईकोर्ट ने भाजपा के बंगाल बंद को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी।

बहुत हो चुका, समाज को ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत है: राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के 20 दिन बाद बुधवार को पहली बार बयान दिया। न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति ने कहा कि मैं घटना को लेकर निराश और डरी हुई हूं। मुर्मू ने कहा- बस अब बहुत हो गया। कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह की अत्याचारों की इजाजत नहीं दे सकता। जब छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में विरोध कर रहे थे, तो दूसरी जगहों पर अपराधी सक्रिय थे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। पुलिस ने 10 अगस्त को संजय रॉय नाम के एक सिविक वॉलंटियर को गिरफ्तार किया था।

'इस्तीफा मांगना है तो पहले पीएम मोदी का मांगो'

पूछा-यूपी, एमपी, मणिपुर के सीएम से क्यों नहीं मांगा

बीजेपी के बंगाल बंद को लेकर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा के बंगाल बंद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम मोदी समेत पूरी बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि इस्तीफा मांगना है तो पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का

इस्तीफा मांगो। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई सभी जालसाज हैं। एजेंसियों से लोगों पर अत्याचार किया जा रहा है। कल जो सड़कों पर उतरे थे सभी बाहरी हैं। भाजपा की आलोचना करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा का बंद बंगाल की छवि को धूमिल करने और आरजी कर अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले की जांच को बाधित करने के लिए बुलाया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगले हफ्ते हम विधानसभा सत्र बुलाएंगे और बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित करने के लिए 10 दिनों के भीतर एक विधेयक पारित करेंगे। हम इस विधेयक को राज्यपाल के पास भेजेंगे।

भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार

आज नेवी को मिल सकती है

60 हजार क्विंटल वजन, 750 किमी तक मिसाइल अटैक की रेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार है। इसे कल यानी 29 अगस्त को इंडियन नेवी को सौंपा जा सकता है। अरिघात को 2017 में लॉन्च किया गया था। तब से इसकी टेस्टिंग जारी रही। अब फाइनली इसे कमीशन किया जाएगा। अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इसे विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के शिप बिल्डिंग सेंटर में बनाया गया था। अरिहंत की तरह ही अरिघात भी 750 किलोमीटर की रेंज वाली के-15 मिसाइलों से लैस होगी। इस सबमरीन का वजन 6 हजार टन (60 हजार क्विंटल) है।

भारतीय नौसेना अब तक 3 न्यूक्लियर सबमरीन तैयार कर चुकी है। इसमें से एक अरिहंत कमीशंड है, दूसरी अरिघात मिलने वाली है और तीसरी डी 3 पर टेस्टिंग जारी है। इन सबमरीन के जरिए दुश्मन देशों पर परमाणु मिसाइल दागी जा सकती हैं।

2009 में पहली बार सांकेतिक तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर आईएनएस अरिहंत को लॉन्च किया था। इसके बाद 2016 में इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अगले 5 साल में दो और पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना ने लॉन्च किया है। 2009 में लॉन्च करने से पहले भारत ने पनडुब्बियों को दुनिया से छिपा रखा था। 1990 में भारत सरकार ने एडवांस टेक्नोलॉजी वेसल प्रोग्राम शुरू किया था।

देश के 12 शहरों में बनेंगे 12 नए औद्योगिक स्मार्ट शहर

10 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार, मोदी सरकार का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देशभर में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित करने की मंजूरी दी है।

इससे लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने आज राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दी है।

इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा। इस योजना पर 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा। वैष्णव ने बताया कि 10 राज्यों में फैली छह प्रमुख आर्थिक गलियारे भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित 12 स्मार्ट औद्योगिक शहरों में लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश संभावनाएं पैदा होंगी।

असम में कैसे मुसलमान बढ़े और घट गए हिंदू

● श्वेत पत्र लाकर बताएगी राज्य की हिमंता सरकार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार श्वेत पत्र लाकर बताएगी कि राज्य में कैसे मुसलमान बढ़ते चले गए और हिंदू घट गए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को असम की जनसंख्या में पैदा हुए असंतुलन के बारे में पता चलेगा और खतरे का अनुमान लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम अप्रैल-मई तक श्वेत पत्र लाकर बताएंगे कि कैसे हिंदू बहुसंख्यक इलाकों में मुस्लिमों की संख्या बढ़ती चली गई लेकिन कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई। दोनों समुदाय शांति से रहते रहे लेकिन जहां स्थिति इसके उलट है, वहां ऐसा नहीं है। इससे पहले मंगलवार को हिमंत बिस्वा सरमा ने विधानसभा में विधायकों से अपील की थी कि वे यह तय करेंगे कि किसी भी इलाके में लोगों का पलायन न हो। उन्होंने कहा, हम असम में सांप्रदायिक सौहार्द्र और शांति बनाना चाहते हैं। यह श्वेत पत्र कई दिलचस्प चीजें बताएगा। आप देखकर हैरान रह जाएंगे कि चीजें कैसे बदल रही हैं।

और अफ्रीकी चीते बहुत जल्द आएंगे भारत, फैसला

कूनो नहीं, गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य होगा नया ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने इस साल के अंत तक 12 से 14 और चीतों को भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में बातचीत करने के लिए जल्द ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर सकता है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक इसके लिए केन्या के साथ भी बातचीत की जा रही है और एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चीतों के अगले समूह को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाने की योजना है। एक अधिकारी ने बताया, ''हम इस मामले पर दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहे हैं।

एक प्रतिनिधिमंडल ग्राउंड लेवल पर बातचीत करने के लिए सितंबर के अंत में या अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा। चीतों का अगला समूह इन दोनों में से किसी भी देश से आ सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हमने दक्षिण अफ्रीका को बताया है कि हम चीता प्रोजेक्ट स्टीरिंग कमेटी की

सिफारिश और योजना के मुताबिक इस साल के अंत तक चीतों का एक और समूह लाने की कोशिश तेज करना चाहते हैं।''चीतों के अगले बैच को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाया जाएगा जिसे चीतों के रहने के लिए दूसरे घर के रूप में चुना गया है। गौरतलब है कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही चीतों की क्षमता से 20 अधिक चीते हैं।

भारत ने 73 हजार अमेरिकी राइफल्स का दिया ऑर्डर

● 837 करोड़ में डील हुई; 2019 में 647 करोड़ में 72,400 राइफल्स मंगाई थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका से 73,000 सिग सॉ असॉल्ट राइफल्स का दूसरा ऑर्डर दिया। सिग सॉ ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस डील को भारत ने 837 करोड़ रुपए में साइन किया है। इससे पहले

फरवरी 2019 में फास्ट-ट्रैक खरीद के तहत भारत ने 647 करोड़ रुपए में 72,400 एसआईजी-716 राइफल्स का ऑर्डर दिया था। राइफल्स की दूसरी खरीद को दिसंबर 2023 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुआई में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने मंजूरी दी थी। इसकी डिलीवरी के बाद भारतीय सेना के पास 1.45 लाख से ज्यादा एसआईजी-716 असॉल्ट राइफल्स हो जाएंगी। भारत ने रूस से राइफल्स का ऑर्डर दिया था।

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती नहीं लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

17 कैंडीडेट की दूसरी लिस्ट जारी, पहली लिस्ट में बेटी इल्तिजा मुफ्ती का नाम था

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 17 सीटों पर प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इससे पहले 22 अगस्त को 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई थी। इसमें पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा का नाम भी था। दूसरी लिस्ट जारी होने के कुछ देर बाद महबूबा ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। महबूबा इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अनंतनाग से मैदान में थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को पहले चरण की वोटिंग होगी। 27 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। चुनाव आयोग के मुताबिक, सात जिलों के 24 विधानसभा क्षेत्रों में 279 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अनंतनाग जिले में कुल 72 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके बाद पुलवामा जिले में 55, डोडा जिले में 41, किश्तवाड़ में 32, शोपियां में 28, कुलगाम में 28, जबकि रामबन में 23 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। पहले चरण के चुनाव में 23.27 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। जिनमें से 11.76 लाख पुरुष मतदाता और 11.51 लाख महिला मतदाता हैं, साथ ही 60 थर्ड जेंडर वोटर्स हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों के लिए 18 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच 3 चरणों में मतदान होंगे। नतीजे 4 अक्टूबर 2024 को आएंगे। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 46 है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अब तक तीन लिस्ट जारी की हैं। कुल 45 कैंडीडेट उतारे हैं। पार्टी ने 26 अगस्त को सुबह 10 बजे 44 नामों की लिस्ट जारी की थी। विरोध हुआ तो लिस्ट वापस ले ली। इसके दो घंटे बाद 15 नाम की नई लिस्ट जारी की। तीन घंटे बाद सिंगल नाम की एक और सूची आई। 27 को को 29 कैंडीडेट्स की लिस्ट जारी की।

मोहन भागवत को मिलेगी एडवांस लेवल की सुरक्षा

जेड प्लस से भारी, मोदी और शाह की भी ऐसी ही सिक्योरिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा के स्तर को काफी बढ़ा दिया गया है। उनकी सुरक्षा कैटेगरी के जेड प्लस से बढ़ाकर एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) कर दिया गया है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसी की जाएगी। इसको लेकर हाल ही में गृह मंत्रालय के द्वारा समीक्षा की गई थी, जिसमें पाया गया कि गैर भाजपा दलों के द्वारा शासित राज्यों में ढिलाई बरती गई है। इसके बाद यह फैसला लिया गया है। एक अंग्रेजी अखबार ने गृह मंत्रालय के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में इसकी बात कही है।

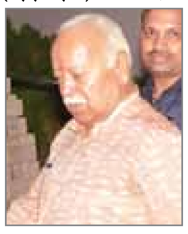

कांग्रेस की प्रदेश कमेटी बनाने के प्रस्ताव को राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने नकार दिया

डॉ. अखिलेश ने 5 जिलाध्यक्षों को बदलने का भी आग्रह किया था

पटना, एजेंसी। कांग्रेस की बिहार कमेटी गठित करने के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह के प्रस्ताव को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नकार दिया है। डॉ. अखिलेश ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए करीब 7 साल बाद कांग्रेस की प्रदेश कमेटी गठित करने का निर्णय लिया और कमेटी के पदों पर नेताओं का चयन करते हुए उसकी मंजूरी के लिए खरगे से आग्रह किया। यही नहीं, उन्होंने प्रदेश कमेटी बनाने के साथ ही 5 जिलाध्यक्ष बदलने का प्रस्ताव भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया, पर वह भी स्वीकार नहीं किया गया। प्रदेश कांग्रेस के जानकार इसे आने वाले दिनों में प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने की संभावना से जोड़ रहे हैं। दरअसल, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व नए तेवर के साथ प्रदेश कांग्रेस को मैदान में उतारने की योजना बना रही है। डॉ. अखिलेश ने जिन 5 जिलाध्यक्षों को हटाने आग्रह किया था, उनमें 4 जिलाध्यक्ष मुसलमान हैं और एक सवर्ण (राजपूत) हैं। कांग्रेस में अभी 5 जिलाध्यक्ष मुसलमान हैं, जिनमें 4 जिलों भागलपुर, किशनगंज, अररिया व समस्तीपुर जिलाध्यक्ष को बदलने का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नकार दिया है। वहीं सारण जिलाध्यक्ष अजय सिंह ने पिछले लोकसभा चुनाव के पहले जिलास्तरीय बैठक में प्रस्ताव पारित कर दिया था कि महाराजगंज लोकसभा सीट से जिले के सक्रिय कांग्रेसी को ही चुनाव लड़ाया जाए। हालांकि महाराजगंज से बाद में डॉ. अखिलेश के पुत्र आकाश सिंह चुनाव लड़े, जो स्थानीय कांग्रेसी नहीं हैं। दरअसल सारण जिलाध्यक्ष अजय सिंह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद तारिक अनवर के करीबी माने जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जिलाध्यक्षों को हटाने का प्रस्ताव मंजूर नहीं करने को इससे जोड़ा जा रहा है। इस प्रकरण के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष की कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए जाने लगे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन में कभी ज्यादा काम नहीं किया : तारिक

इधर, पूर्व प्रदेश तारिक अनवर ने कहा कि अभी बिहार कांग्रेस का ढांचा मजबूत नहीं है। उसको मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन में कभी ज्यादा काम नहीं किया है। डॉ. अखिलेश केंद्र में मंत्री रहे, लोकसभा व विधानसभा में रहे और अभी राज्यसभा में हैं, पर संगठन का जितना अनुभव उनको है वह कम है, इसीलिए वे ढंग से वह नहीं कर पा रहे हैं जो करना चाहिए। आने वाले समय में बिहार कांग्रेस मजबूत हो, उसकी अभी से तैयारी होनी चाहिए। अगर हमको अपने पैरों पर खड़ा होना है तो संगठन को मजबूत करना ही पड़ेगा।

कांग्रेस की सरकार में केवल घोटाला हीं घोटाला हुआ है– सांसद

मोतिहारी, एजेंसी। कांग्रेस कि सरकार में इस देश में केवल घोटाला हीं घोटाला हुआ है। 2014 में देश के प्रधानमंत्री मोदी बने हैं। तब से इस देश के सभी विभागों में विकास हीं विकास हो रहा है। उक्त बातें पश्चिमी चंपारण सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने मंगलवार को सदस्यता अभियान कार्यशाला में उपस्थित 6 विधानसभा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि सदस्यता अभियान देश के लिए हवन के समान है। इसलिए सभी वर्गों में जाकर सदस्य बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि जो हमलोगों के पुराने सदस्य हैं। किसी कारण से आज नहीं है, उनके पास भी जाकर बात कर समझाकर सदस्य बनाएं। वहीं रक्सौल विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। पूर्व विधायक रामचन्द्र सहनी ने कहा कि सदस्यता अभियान में सबके दरवाजा पर जाना है। खासकर झुगी झोपड़ी के लोगों को भी इस पार्टी से जोड़ना है। कार्यक्रताओं को संबोधित करने वाले में प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज पटेल, पूर्व एमएलसी बबलू गुप्ता , जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय, पूर्व जिला अध्यक्ष व जिला प्रभारी वरूण सिंह, ध्रुव सिंह, मुकुल सिंह, हरिमोहन भगत उर्फ राजू भगत शामिल थे। वहीं कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय व संचालन जिला महामंत्री राम एकबाल प्रसाद ने की है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष पुष्पेंद्र तिवारी, मनोज सिंह, जितेंद्र कुमार, गुड्डू सिंह, सोनू कुमार, राहुल कुमार सहित सैकडों कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट और धमकी के मामले में प्राथमिकी दर्ज

भागलपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के महेशी निवासी धर्मेंद्र पासवान ने जातिसूचक गाली देने के साथ-साथ मारपीट करने तथा धमकी दिए जाने का मामला थाने में दर्ज कराया है। मामले में बताया गया है कि घर से कोलगामा पुल का सेंटरिंग खोलने जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर पर सवार आरोपी ने नशे की हालत में जातिसूचक गाली देते हुए थ्री नट के बट से मारपीट कर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है।

भुगतान लंबित रखने पर प्रखंड समन्वयक को लगाई फटकार

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड मुख्यालय स्थित ट्रायसम भवन में एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ अभिमन्यु कुमार ने की। बैठक में सर्वप्रथम स्वच्छता पर्यवेक्षकों एवं स्वच्छता कर्मियों को मानदेय भुगतान नहीं होने पर बीडीओ प्रखंड समन्वयक पर जमकर भड़के तथा फटकार लगाई। बीडीओ ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगले दो महीने का मानदेय भुगतान पंचायत सचिव से समन्वय स्थापित कर जल्द करें। इसके अलावा घर-घर कूड़ा उठाव, डब्लूपीयू में निर्मित खाद, एकत्रित प्लास्टिक आदि के निपटारा को लेकर विस्तृत चर्चा भी की गई।

प्रतियोगिता में रानीगंज दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चों बेहतर प्रदर्शन

गया, एजेंसी। बांकेबाजार में आयोजित एथलेटिक्स चैंपियनशिप एवं कबड्डी प्रतियोगिता में रानीगंज के दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। जूनियर टीम ने फाइनल में जगह बनाई। रौशनगंज से 2 प्वाइंट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, सीनियर टीम ने सेमीफाइनल में हार गई। जबकि श्रृष्टि कुमारी ने 80 मीटर रेस में सिल्वर मेडल जीती। मौके पर दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीगंज के डायरेक्टर दिनेश कुमार सिन्हा, प्रिंसिपल स्वाति, मोहन, शुभम, पहलवान बिट्टू रावत, संदीप कुमार, तनु कुमारी, कृति कुमारी, राहत खान आदि मौजूद रहे।

शौहर की नशेबाजी से परेशान महिला पहुंची थाने, दर्ज हुआ केस

गया , एजेंसी। शौहर की नशेबाजी से परेशान महिला की शिकायत पर मंगलवार को शेरघाटी थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नशेबाज को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्त में आए शराबी की पहचान बार गांव के सुनील मिस्त्री के रूप में की गई है। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निकट के झारखंड इलाके से शराब पीकर आने के बाद सुनील अक्सर घर में हंगामा कर रहा था। शुरु में परिवार-समाज ने नशेबाजी की इस लत को त्यागने के लिए सुनील पर दबाव बनाया, मगर उसकी आदत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसी दौरान सुनील कुमार की पत्नी गुड़िया देवी की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने जब मामले की जांच की तो वह नशे में पाया गया। उन्होंने बताया कि नशाबंदी कानून के तहत इस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए सुनील को कोर्ट में पेशी के लिए भेजा गया है।

बीडीओ ने बैठक के बीएलओ सुपरवाइजर को दिए निर्देश

गया, एजेंसी। आमस बीडीओ निरज कुमार राय ने मंगलवार को बीएलओ सुपरवाइजर के साथ बैठक कर कई जरूरी दिया। उन्होंने बताया कि कुछ बीएलओ ने अबतक लॉग इन नहीं किया है, जिन्हे सुपरवाइजर के माध्यम से यह जानकारी भेजी गई है कि जल्द से जल्द लॉग इन कर लें। बीएलओ सुपरवाइजर बलिराम दास ने बताया कि बैठक में लॉग इन के अलावा नए मतदाता का नाम जोड़ने, सुधार करने और मृत लोगों का नाम हटाने के साथ कई बिंदुओं पर बीडीओ ने चर्चा की। बैठक में मिन्हाज अहमद,शिव कुमार, अरुण कुमार और संजय कुमार आदि रहे।

धरौड़ा में ताला तोड़कर करीब एक लाख नकद चोरी

दरभंगा, एजेंसी। सैंट मैरिज एकेडमी धरौड़ा में 25 अगस्त की रात ताला तोड़कर करीब एक लाख रुपये नगद सहित अन्य सामान चोर लेकर चंपत हो गया। विद्यालय के लेखापाल पंकज कुमार ने बहेड़ा थाना में आवेदन देकर जानकारी दी है। आवेदन में कहा गया है कि ताला तोड़कर लॉकर में रखा करीब एक लाख रुपये नगद सहित सीसी कैमरा का डीसीआर व अन्य सामग्री लेकर चंपत हो गया। 26 अगस्त की सुबह जमीन मालिक विद्यालय की ओर अन्य दिनों की तरह घूमने गया तो, मुख्य गेट का ताला टूटा देख लेखापाल को सूचना दिया।

छात्र–छात्राओं का डेटा नहीं देने वाले प्राइवेट स्कूलों को 24 घंटे का अल्टीमेटम, नहीं तो रद्द होगा रजिस्ट्रेशन

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में निजी स्कूलों द्वारा छात्र-छात्राओं का डेटा नहीं देने पर शिक्षा विभाग ने नाराजगी जताई है। स्कूलों को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर एक दिन में स्कूल प्रशासन की ओर से डेटा एंट्री का काम नहीं शुरू हुआ तो, उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया जाएगा। ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर शहर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत पहली से 12वीं कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की इंट्री संतोषजनक नहीं है। कार्यक्रम पदाधिकारी सह दरभंगा की प्रखंड शिक्षा अधिकारी कृतिका वर्मा ने संबंधित निजी विद्यालय के प्राचार्य एवं व्यवस्थापक को पत्र लिखकर 24 घंटे के अंदर इंट्री कार्य शुरू करने का सख्त निर्देश दिया है। नगर बीईओ ने निजी विद्यालयों से प्रतिवेदन भी मांगा है। कुल नामांकित बच्चों की संख्या, कितने के पास आधार कार्ड है तथा कितने बच्चों के पास आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, इसकी जानकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है। बता दें कि दरभंगा शहर के कुल 91 निजी विद्यालयों में से 61 स्कूलों ने ही ई शिक्षा कोष पोर्टल पर बच्चों की डाटा इंट्री शुरू की है। शिक्षा विभाग के अपर सचिव एस सिद्धार्थ, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। डीएम की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भी एंट्री की स्थिति पर आपत्ति जताई गई है। इसके बाद प्रारंभिक एवं समग्र शिक्षा अभियान के डीपीओ के निर्देश पर निजी विद्यालयों को अल्टीमेटमदियागयाहै।

डेंगू मरीजों की बढ़ी संख्या, डीएम ने जारी किया निर्देश

समस्तीपुर में गंबूसिया मछली के बारे में जानकारी देने का आदेश, सतर्कता की अपील

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में डेंगू रोगियों की संख्या बढ़ रही है। इसे देखते हुए मंगलवार रात डीएम योगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिले के सभी बीडीओ और प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक हुई। डीएम ने लोगों को गंबूसिया मछली के बारे में जानकारी देने की अपील की है। साथ ही बीमारी के रोकथाम करने के लिए कहा गया है। सतर्कता से जान बच सकती है। बैठक में डेंगू के बढ़ रहे प्रभाव पर चिंता व्यक्त की गई। साथ ही डीएम ने इसके लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। डीएम ने इस बैठक में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी और बीडीओ को यह निर्देश दिया है कि गंबूसिया मछली डेंगू और मलेरिया के लार्वा को पनपने नहीं देती है। उसको खत्म कर देती है। गंबूसिया मछली के बारे में लोगों को जाकर बताते की अपील की गई है। ताकि, लोग जल जमाव वाले इलाके में इस मछली को डाले, जिससे डेंगू और मलेरिया के लार्वा का विकास नहीं हो। डेंगू और मलेरिया का नियंत्रित हो सके।

रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय करने का आदेश

जगह-जगह पर जल जमाव के कारण, छोटे-मोटे गड्ढे, तालाबों, टायर या अनयूज्ड जगह , छतों इत्यादि पर पानी इकट्ठा होने से डेंगू के मच्छरों की फर्टिलिटी में वृद्धि होती है। इसकी रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने का डीएम ने निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी ,प्रखंड विकास पदाधिकारी और संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया है। समय-समय पर फागिंग करवाने, और डेंगू की रोकथाम के लिए आवश्यक टेमीफोस की गोली, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपील की गई है। आम लोगों से इसका प्रचार प्रसार करने की अपील की गई है।

डेंगू बीमारी में प्लेटलेट्स की आवश्यकता

डीएम ने बताया है कि डेंगू बीमारी में प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है। इसलिए इसके मरीजों में वृद्धि होने पर उन्हें बड़े शहरों में भेजना पड़ता है, जिससे न सिर्फ आम जनमानस को परेशानी होती है, बल्कि उनके ऊपर आर्थिक बोझ भी पड़ता है। बीमारी से बचाव ही श्रेष्ठ उपाय है। गंबूसिया डेंगू-मलेरिया के मच्छरों से निपटने में काम आती है। इसे मच्छर मछली के नाम से भी जाना जाता है। ये बेहद छोटी सी मछली है, जो एक्वैरियम में बहुत कम देखी जाती है। इस मछली की दो प्रजातियां हैं, जिसमें पश्चिमी मच्छर मछली जो बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, और पूर्वी मच्छर मछली जो कभी भी मछली की दुकानों में नहीं पाई जाती हैं।

अंडे नहीं देती है मच्छर मछली

मच्छर मछली छोटी, पानी की मछली होती है। ये मच्छरों के लार्वा को खाती है। मच्छरों की आबादी को प्रभावी ढंग से और स्वाभाविक रूप से रोकने के लिए मछली को जान बूझकर तालाबों, फव्वारा, जानवरों के कुंड और स्विमिंग पूल में रखा जाता है। इस मछली को खाना खिलाने की जरूरत नहीं होती है। मच्छर मछली अंडे नहीं देती है और प्रजनन के लिए किसी विशेष वातावरण की जरूरत नहीं होती है।

जन संपर्क अभियान चलाकर विधायक ने लिया विकास का फीड बैक

मोतिहारी, एजेंसी। मधुबन विधायक राणा रंधीर सिंह ने मंगलवार को मधुबन की नवरंगिया माधोपुर पंचायत में जन संपर्क अभियान चलाया। इस क्रम में उन्होंने नवरंगिया, नवरंगिया डीह, गोपालपुर, टकसरी व बुधोलिया ग्राम के लोगों से संपर्क साधा। बताया कि जनता से क्षेत्र के विकास का फीड बैक लिया गया है। साथ ही विकास के कार्यों की समीक्षा, भविष्य में होने वाले विकास पर बिंदुवार चर्चा, जनता से पेंडिंग रह गए विकास के कार्यों पर सुझाव व समस्याओं के बारे में जानकारी ली गयी है। जन संपर्क अभियान में लोगें ने बताया कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। कई नयी योजनाओं पर काम हुआ है। मौके पर शंभू सिंह, चुन्नु सिंह, सुमन सिंह, संजय कुशवाहा, अरविंद सिंह, छोटू सिंह आदि मौजूद थे।

एक साथ तीन बच्चों में एईएस की पुष्टि

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले में मंगलवार को एक साथ तीन बच्चों में एईएस की पुष्टि हुई है। इसकी जानकारी जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ सतीश कुमार ने दी। इनमें मोतीपुर की सात साल की बच्ची, कटरा का नौ माह का बच्चा व कुढ़नी का दो माह का बच्चा शामिल है। मोतीपुर की सात साल की सोनम कुमारी को 21 अगस्त को चमकी के लक्षण आने पर एसकेएमसीएमच के पीकू में भर्ती किया गया था।

बच्ची में एईएस के कारणों का पता नहीं चल सका है। बच्ची को ठीक होने पर 24 अगस्त को डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं, कटरा के नौ महीने के अजीत कुमार को चमकी के लक्षण होने पर 25 अगस्त को भर्ती किया गया था। उसमें एईएस का कारण डिइलेक्ट्रोलाइसीमिया बताया गया है। बच्चे को भी ठीक होने पर 27 अगस्त को डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं, कुढ़नी के दो महीने के आदर्श कुमार को 14 अगस्त को चमकी होने पर पीकू में भर्ती किया गया था। उसमें भी एईएस के कारणों का पता नहीं चल सका है। बच्चे को ठीक होने पर 27 अगस्त को डिस्चार्ज कर दिया गया।

मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को लेकर रसोइया संघ ने किया प्रदर्शन

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार विद्यालय रसोइया संघ अनुमंण्डल इकाई अरेराज के संयोजक मंटू कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को अनुमंण्डल कार्यालय अरेराज के समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिला सचिव दिनेश प्रसाद कुशवाहा ने धरना को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोदी, नीतीश सरकार रसोइया के साथ शत्रुता पूर्ण व्यवहार कर रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह सरकार रसोइयों के मानदेय बढ़ाने के बजाय रसोइया की नौकरी छिन लेने पर आमादा है। वह मध्याह्न भोजन योजना को एनजीओ को सौंप देने का कुचक्र रचा है। रसोइया संघ एनजीओ के खिलाफ 19 सितंबर को जिलाधिकारी के समक्ष विशाल प्रदर्शन करेगी। भाकपा माले नेता रामधनी मिश्र ने कहा कि भाकपा माले रसोइया संघ के संघर्ष में उनके साथ है। हमारी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक लड़ेंगी। सरकार को रसोइया का मानदेय बढ़ाकर हर हालत में दस हजार रुपए करना होगा। रसोइया संघ ने प्रदर्शन करते हुए अनुमंण्डल कार्यालय में पहुचकर एसडीओ को अपने मांग के समर्थन में ज्ञापन भी सौपा। एसडीओ अरुण कुमार ने बताया कि ज्ञापन को अग्रेतर कार्रवाई के लिए प्रेषित कर दिया गया है। प्रदर्शन में दिनेश्वर मिश्र, भूलन पंडित, होरिल देवी ,चोकट पासवान, गायत्री देवी, मालती देवी, शारदा देवी, परशुराम कुशवाहा, पुष्पा देवी,जुलेखा खातुन, सलमा खातुन, विजय पटेल, राधा महतो आदि प्रमुख थे।

कर चोरी के बदले रिश्वतखोरी:10 लाख घूस, चीफ आईटी कमिश्नर गिरफ्तार, पत्नी लड़ चुकी हैं चुनाव

पटना, धनबाद और नोएडा के 21 ठिकानों पर छापे, 4 सहयोगी भी पकड़े गए

पटना/धनबाद, एजेंसी। पटना के प्रधान आयकर आयुक्त संतोष कुमार को सीबीआई ने 10 लाख रुपए की रिश्वतखोरी में गिरफ्तार किया है। वे धनबाद आयकर प्रक्षेत्र के भी प्रभार में थे। गिरफ्तारी पटना से हुई। पूरा मामला धनबाद प्रक्षेत्र के वैसे करदाताओं को राहत देने के नाम पर रिश्वत लेने से जुड़ा है, जिनके खिलाफ टैक्स चोरी की जांच आयकर विभाग कर रहा है। सीबीआई ने प्रधान आयकर आयुक्त के धनबाद के सहयोगियों, आउटसोर्सिंग कंपनी जीटीएस के मालिक गुरपाल सिंह, रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्रणय पूर्वे, उनके ममेरे भाई राजीव कुमार उर्फ चीकू और विपिन प्रिंटिंग प्रेस के संचालक अशोक चौरसिया को भी गिरफ्तार किया है। अशोक चौरसिया संतोष के लिए मध्यस्थ का काम करता है।रिश्वतखोरी से जुड़े इस प्रकरण में सीबीआई ने धनबाद में आयकर भवन समेत गुरपाल, डॉ पूर्वे व चौरसिया और प्रधान आयकर आयुक्त के आयकर भवन स्थित ऑफिस, कंकड़बाग के लोहियानगर में उर्वशी शोरूम बिल्डिंग स्थित आवास के साथ उनके नोएडा के आवास सहित कुल 21 ठिकानों पर छापेमारी की। यहां से सीबीआई ने आपत्तिजनक दस्तावेज समेत आय-व्यय व निवेश से जुड़े कागजात जब्त किए हैं।

कमिश्नर के कार्यालय में 3 घंटे तक हुई पूछताछ

संतोष कुमार के पत्नी सुनीता गोपालगंज से 2014 में लोकसभा और बोचहां (मुजफ्फरपुर) से 2015 में विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। लोकसभा चुनाव सपा के टिकट पर और विधानसभा चुनाव निर्दलीय लड़ी थीं। दोनों चुनाव वे हार गईं। नामांकन के शपथ-पत्र में सुनीता ने अपने और परिवार की 74.13 लाख की चल और 1.52 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति बताई थी। अपने नाम पर कोलकाता में 82560 वर्ग फीट और पति के नाम पर 1575 वर्ग फीट का प्लॉट बताया था।

ऐसे पकड़ में आया पूरा मामला

धनबाद से 10 लाख लेकर एक व्यक्ति पटना पहुंचा था। सीबीआई पीछे लगी थी। भनक थी कि टैक्स में छूट देने के लिए रुपए किसी शीर्ष अधिकारी को दिए जाएंगे। रकम एक बिचौलिए के मार्फत पहुंचनी है। धनबाद से पटना पहुंचे व्यक्ति और पैसे के रिसीवर को सीबीआई ने रंगेहाथ पकड़ लिया। पता चला कि रकम संतोष कुमार तक पहुंचनी थी।

गोरखधंधे में कई अफसरों के भी नाम

शुरुआती जांच में प्रधान आयकर आयुक्त के अलावा विभाग के कई अन्य अफसरों के नाम भी सामने आए हैं। इसी आधर पर सीबीआई ने सोमवार की रात धनबाद के आयकर भवन को खुलवाकर आईटीओ (टेक्निकल) प्रभाकर कुमार के कार्यालय व उनके आवास की भी छानबीन की थी। धनबाद के कुछ अन्य अधिकारी भी जांच के दायरे में हैं।

गुरपाल सिंह, डॉ पूर्वे व चौरसिया को पटना लाई सीबीआई

संतोष कुमार की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने सोमवार की शाम गुरपाल सिंह, डॉ प्रणय पूर्वे और अशोक चौरसिया को हिरासत में ले लिया था। देर रात सीबीआई गुरपाल, डॉ पूर्वे व चौरसिया के साथ कारोबारी अमर दारूका को गुरपाल के आवास पर बैठाकर सुबह 4:30 बजे तक लंबी पूछताछ की। दारूका को छोड़ सीबीआई तीनों को लेकर सदर अस्पताल गई। मेडिकल जांच कराई और तीनों को लेकर पटना आ गई।

जुलाई में की थी बेटे की भव्य शादी

सीबीआई को जानकारी मिली है कि संतोष ने 13 जुलाई को आगरा के आईटीसी मुगल में बेटे की भव्य शादी की थी। उसमें धनबाद के अशोक चौरसिया समेत अन्य शामिल हुए थे। अब सीबीआई पता लगा रही है कि उस शादी में धनबाद से किन्हें आमंत्रित किया गया था संतोष को इसी साल फरवरी में धनबाद प्रक्षेत्र का प्रभार सौंपा गया था। वे सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

दस्त नियंत्रण कार्यक्रम की जिला स्तर पर हो रही मॉनिटरिंग

- डायरिया से बचाव को सावधानी बरतनी जरुरी
- 22 सितम्बर तक चलेगा जिले में अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

दस्त की रोकथाम को लेकर जिले के सभी प्रखंडों में 22 सितम्बर तक अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत संचालित दस्त नियंत्रण कार्यक्रम की जिले के सिविल सर्जन के आदेश पर गठित जिला कमिटी द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है। बुधवार को मॉनिटरिंग टीम की सदस्य डॉ. शशि मिश्रा आरबीएसके जिला समन्वयक के द्वारा अरेराज प्रखंड अंतर्गत खजुरिया पंचायत के ग्राम रायटोला में जनप्रतिनिधि चन्द्रिका महतो, ग्रामीणों से आशा रीना खातून, आशा फेसिलिटीटर पिंकी कुमारी के कार्यों की समीक्षा की गई। अनुमंडल की स्वास्थ्य टीम का बच्चों मे दस्त की समस्या से निबटने के लिए ग्रामीणों को दिए जाने वाले सहयोग का जायजा लिया गया। इसी क्रम में वार्ड संख्या 40, संग्रामपुर के आंगनबाड़ी केंद्र में दस्त रोकथाम में आशा सुमन देवी, आंगनबाड़ी सेविका गुड़िया कुमारी, एएनएम प्रमिला देवी के किए जा रहे कार्यों का निरिक्षण किया गया। संग्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ शीतल नरूला ने बताया कि दस्त रोकथाम के लिए बच्चों को जिंक, ओआरएस का वितरण किया जा रहा है। बच्चों को कोई गंभीर समस्या होने पर स्वास्थ्य कर्मियों को बिना देरी किए स्वास्थ्य केंद्र लेकर आने का निर्देश दिया गया है।

डायरिया से बचाव को सावधानी बरतनी जरूरी: जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि डायरिया एक संक्रामक बीमारी है जो दूषित पानी या खाद्य पदार्थों के सेवन से होता है। डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए हमें खुले में शौच से परहेज एवं शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना बहुत आवश्यक है। इससे बचाव हेतु सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था है। आशा व स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों वाले सभी परिवारों के घर ओ.आर.एस. के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। डायरिया पर नियंत्रण के लिए 6 माह तक शिशु को केवल स्तनपान, पर्याप्त पूरक आहार और विटामिन-ए देने की आवश्यकता है। उन्होंने रोटा वायरस के टीकाकरण को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे को डायरिया हो जाए तो जिंक-ओ.आर.एस. का प्रयोग असरकारी होता है। डायरिया के गंभीर मामलों के अस्पताल में उपचार की भी विशेष व्यवस्था होती है। जहाँ इसके लिए विशेष वार्ड बनाए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान पकड़ा गया मुन्ना भाई

बीएनएम। मोतिहारी। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) बिहार, पटना द्वारा आयोजित सिपाही के पद पर नियुक्ति के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा के दौरान एमजेके बालिका इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र के निरीक्षण दौरान डीएम सौरभ जोरवाल व एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे एक मुन्ना भाई को पकड़ा है।जिसने अपना नाम रॉबिन बताया है,जो पटना जिला के पंडारक का रहने है। अखिलेश कुमार के नाम के एक परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा था। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने लायी है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है,जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कारवाई की जायेगी।

अज्ञात वाहन के ठोकर लगने से 54 वर्षीय व्यक्ति की हुई दर्दनाक मौत

बीएनएम। मोतिहारी। छपवा-मोतिहारी मुख्य मार्ग हाईवे पर बुधवार की अहले सुबह लगभग 5:00 बजे एक अज्ञात लापरवाह वाहन चालक द्वारा बंजरिया थाना क्षेत्र के पचरुखा चौक पर मंदिर के समीप एक 54 वर्षीय व्यक्ति की जबरदस्त टक्कर लगने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उक्त मृतक पचरुखा गांव निवासी स्वर्गीय इंद्रासन राउत का पुत्र शत्रुघ्न राउत है। शव को बंजरिया थाना अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के उपरांत परिजन को सौंप दिया है। मृतक की पत्नी कलावती देवी द्वारा उक्त अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए संवाद प्रेषण तक आवेदन देने की प्रक्रिया हो रही थी। मृतक की पत्नी ने बताया कि घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया है। मृतक शत्रुघ्न राउत की पत्नी, बच्चे, भाई व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

एक सितम्बर को होगी टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिकल साइंसेज प्रतियोगिता परीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित होने वाली टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिकल साइंसेज 2023 कक्षा 6 से 12 की प्रतियोगिता परीक्षा के आलोक मे सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक) विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के साथ बैठक कर सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र उपलब्ध कराया जाय। विदित हो कि इस प्रतियोगिता परीक्षा में 77637 छात्रों ने पंजीकरण किया है। डॉ. विजय कुमार, संयोजक टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिकल साइंसेज 2023 ने बताया कि सचिव, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने क्षेत्रीय पदाधिकारी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड बिहार जोन, उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन पटना जोन, क्षेत्रीय पदाधिकारी डी.ए.वी प्राइवेट स्कूल उपायुक्त नवोदय विद्यालय पटना क्षेत्रीय जोन से अनुरोध किया गया है कि आपके क्षेत्र अधीन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने हेतु आवश्यक कार्रवाई किया जाए। यह प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 01 सितंबर 2024 को बिहार के सभी जिलों में ऑफलाइन किया जाएगा। जिला संयोजक टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिकल साइंसेज 2023 ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए एडमिट कार्ड बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की वेबसाइट coaching.biharboardonline.com या बिहार मैथमेटिकल सोसायटी की बेवसाइट www.bmsbihar.org से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रतियोगिता परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता परीक्षा प्रथम पाली कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक और द्वितीय पाली कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थी को जूता मौज में परीक्षा केंद्र पर आना वर्जित है।

बाबासाहब आप्टे व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर बौद्धिक व्याख्यान आयोजित

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

लंगट सिंह कॉलेज के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग और इतिहास संकलन समिति उत्तर बिहार के संयुक्त तत्वावधान में "बाबासाहब आप्टे व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक बौद्धिक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) दिनेशचंद्र राय ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास संकलन समिति उत्तर बिहार के प्रांतीय अध्यक्ष प्रोफेसर अजीत कुमार उपस्थित थे। व्याख्यान का आयोजन बाबासाहब आप्टे के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया था, जहां प्रोफेसर अजीत कुमार ने उनके जीवन और कार्यों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने इतिहास अध्ययन, स्वत्व बोध, और इतिहास के पुनः लेखन के महत्व पर जोर दिया। इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पुष्पा ने बाबासाहब आप्टे के सरल जीवन और व्यक्तित्व पर विस्तृत चर्चा की। इसके बाद, प्रोफेसर जयकांत सिंह और डॉ. राजेश्वर जी ने भी अपने विचार संक्षेप और सारगर्भित तरीके से प्रस्तुत किए। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) ओम प्रकाश राय ने अतिथियों का स्वागत किया और छात्रों को इतिहास-बोध और देश-प्रेम की दिशा में आगे बढ़ने का आवाह्न किया। मंच संचालन डॉ. राजीव कुमार द्वारा किया गया, जबकि इतिहास योजना गीत का प्रस्तुतीकरण कु. पूजा भारती ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, जिसे डॉ. मनीष झा ने प्रस्तुत किया और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष कुमार अनल द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष, आचार्य सह आचार्य, सहायक आचार्य और अनेकों छात्र-छात्राओं का जे.बी. कृपलानी सभागार में समागम हुआ।

आईसीडीपी की डीएलसीसी समीक्षा बैठक संपन्न, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला में कार्यान्वित समेकित सहकारी विकास परियोजना (आईसीडीपी) की जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी-सह-महाप्रबंधक, आईसीडीपी पूर्वी चम्पारण द्वारा इस परियोजना के कार्यकलापों, प्रगति एवं उपलब्धियों के साथ-साथ प्रस्तावित एजेंडा से बैठक में उपस्थित सभी सदस्य को अवगत कराया गया। जिस पर जिला में कार्यान्वित इस परियोजना की सराहना की गई एवं प्रस्तावित एजेंडों पर सकारात्मक निर्णय लिया गया साथ ही अवशेष कार्यों में प्रगति लाने हेतु निदेशित किया गया। बैठक में जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) के सदस्य उपस्थित रहे। उक्त परियोजना की उपलब्धि है 200 एमटी के कुल 238 गोदामों में से 199 गोदामों का निर्माण पूर्ण कराया गया है तथा 06 गोदाम निर्माणाधीन है। जबकि अन्य 33 गोदाम हेतु समिति को आच्छादित किया जाना है। 500 एमटी के कुल 36 गोदामों में से 32 गोदामों का निर्माण पूर्ण कराया गया है तथा 04 गोदाम निर्माणाधीन है। जबकि अन्य 12 गोदाम हेतु समिति को आच्छादित किया जाना है। लक्ष्य के विरुद्ध गैसीफायर युक्त राईस मिल योजना एवं आटॉचक्की योजना का कार्य लगभग पूर्ण है। बैंकिंग प्रक्षेत्र में उपलब्ध राशि का शत्-प्रतिशत व्यय किया गया है। समिति के व्यवसाय में विविधता लाने हेतु कम्पोजिट सीरियल प्रोसेसिंग यूनिट योजना से अबतक 46 समिति को लाभान्वित किया गया है। जबकि इसकी कुल संख्या 60 है। निर्मित गोदाम वाले समिति में व्यवसाय कार्य को बढावा देने हेतु मार्जिन मनी एवं उपस्कर की राशि भी समिति को उपलब्ध कराया जाता है। उपरोक्त योजना का लाभ जिला अंतर्गत कार्यरत पैक्स एवं व्यापारमंडल को भंडारण क्षमता के सृजन एवं व्यवसाय कार्य में प्रगति हेतु दिया जाता है। इच्छुक समिति द्वारा आईसीडीपी कार्यालय से उक्त योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

जिला स्कूल के वन क्षेत्र को इको-फ्रेंडली बनाने की योजना पर बैठक

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

जिला स्कूल के किलकारी भवन के पीछे स्थित वन क्षेत्र को इको-फ्रेंडली और विकसित करने के उद्देश्य से एनआईटी की टीम ने जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन के समक्ष एक प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। इस परियोजना के तहत, वन क्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई गई है, जिसमें किलकारी भवन के मूल स्वरूप में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी, और न ही किसी कंक्रीट निर्माण का कार्य किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य वन क्षेत्र को इस प्रकार से विकसित करना है कि यह जिला के स्कूली बच्चों के लिए परिभ्रमण का एक आकर्षक केंद्र बन सके। साथ ही, इस क्षेत्र को आम जनता के लिए भी खुला रखने की योजना पर विचार किया जा रहा है, ताकि लोग यहां आकर घूम-फिर सकें और प्रकृति का आनंद ले सकें। इसके अतिरिक्त, जिला स्कूल प्रबंधन समिति की एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें बेंच-डेस्क की मरम्मत, स्मार्ट क्लासरूम का विकास, ग्रीन बोर्ड की स्थापना और अन्य कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में इन बिंदुओं पर आवश्यक निर्णय लिए गए, जिससे विद्यालय की सुविधाओं में सुधार हो सके।

चुनाव में मुझे एमएलसी व कार्यकर्ताओं का मिला सहयोग भुलाया नही जा सकता: सांसद

- गायघाट में आयोजित हुआ कार्यक्रता सम्मान समारोह

बीएनएम। हरसिद्धि

चुनाव में एमएलसी महेश्वर सिंह का मिला सहयोग कभी भुलाया नही जा सकता। महेश्वर सिंह फाउंडेशन के कार्यकर्ताओ ने चुनाव में बढ़ चढ़कर सहयोग किया। इन्ही कार्यकर्ताओ के बदौलत जीत हासिल किया गया। उक्त बाते पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद राधामोहन सिंह ने कही। बुधवार को गायघाट स्थित एक विवाह भवन में आयोजित महेश्वर सिंह फाउंडेशन द्वारा आयोजित सांसद अभिनंदन सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री सिंह ने कहा कि हवा के झोंका के विपरीत एनडीए के कार्यकर्ताओं ने जाति-बिरादरी को ताक पर रख सीना तानकर खड़े होकर जीत दिलाई। वही एमएलसी महेश्वर सिंह ने सांसद श्री सिंह को सम्मानित करतें हुए कहा कि चंपारण के सपनो को साकार करने का काम सांसद राधामोहन बाबू ने किया है। हम किए वादे को निभाते है, धोखा नही देते। सांसद के बदौलत हम एमएलसी का चुनाव जीते है। कार्यक्रम में करीब पांच सौ कार्यकर्ताओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू नेता राजकिशोर ठाकुर व संचालन भाजपा नेता शंभू प्रसाद ने किया। मौके पर कैप्टन हमीद, ई. विजय कुमार ठाकुर, देवेश सिंह, फारुख आजम, हरेंद्र कुशवाहा, संजय प्रसाद, महेंद्र सहनी, पूर्व मुखिया योगी सिंह, मुरारी सिंह, सत्यनारायण प्रसाद सहित अनेक कार्यकर्ताओ ने संबोधित किया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओ को सम्मानित करने मे सांसद में बेजोड़ उत्साह दिखा।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ वायरल वीडियो मामले में एक गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत के दुधही गांव में स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर गुरुवार को हथियार के साथ वायरल वीडियो मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक में शिक्षक असगर अली का पुत्र शाहिद असगर बताया जाता है। पुष्टि करते थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि शाहिद असगर अवैध हथियार के साथ वीडियो बनाकर अपने स्टेट्स पर लगाया था, जिसपर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए गुरुवार को उसके घर से गिरफ्तार लिया। गिरफ्तार युवक ने हथियार के संबंध में कई अहम सुराग बताया है। जिसपर पुलिस जांच कर रही हैं, उन्होंने बताया कि आगे की करवाई की जा रही है। गिरफ्तार युवक पारा मेडिकल का छात्र बताया जाता है। पूछताछ के बाद शुक्रवार को जेल भेज दिया जायेगा। छापेमारी में थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय, दरोगा रवि रंजन पासवान, पीएसआई संतोषी कुमारी, पीएसआई अमित कुमार रंजन, शस्त्र बल शामिल थे।

बेतिया में शराब सहित दो धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया। बेतिया पुलिस जिला के पुरुषोत्तमपुर पुलिस ने बाइक पर लाद कर ले जा रहे चुलाई शराब सहित 2 धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार के सुबह थाना के दरोगा थाना इलाका के मंझरिया परसा पथ में सदलबल गश्त पर थे। तभी बाइक पर दो संदिग्ध सवार आ रहे थे दोनों को रोकने को कहा गया लेकिन वे दोनों बाइक सवार भागना चाहे। पुलिस जवानों ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों को बाइक सहित पकड़ लिया गया।बाइक पर लदे जब बोरा की जांच की गयी तो प्लास्टिक के तीन पैकेट में कुल साठ लीटर चुलाई शराब मिला। चुलाई शराब के साथ पकड़े गये धंधेबाज पश्चिम चंपारण जिला के बलथर थाना क्षेत्र के गौचरी गांव निवासी आनंद कुमार और भोला कुमार के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज कर न्यायिक हिरासत में बेतिया भेज दिया गया है।

युवक ने की आत्महत्या

बीएनएम। केसरिया। थाना क्षेत्र के महम्मदपुर में एक युवक ने बुधवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को उसके बिस्तर से बरामद कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। मृतक उक्त गाँव के उमा साह का 25 वर्षीय पुत्र प्रदीप कुमार था। बताया जाता है कि प्रदीप कबाड़ के कारोबार से जुड़ा था। उसने कई लोगों से ऋण लिया था। इसको लेकर कुछ दिनों से तनाव में था। बुधवार की संध्या उसका शव घर में पाया गया। अचानक उसकी मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। उसको दो अबोध संतान है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

राधा-कृष्ण मठ में भंडारा का किया गया आयोजन

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया स्थित राधा कृष्ण मठ में कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। नवनिर्मित भवन में ठाकुर जी के स्थापना के बाद मंगलवार को भंडारा आयोजित किया गया। भंडारा का आयोजन मुम्बई उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता ताजपुर पटखौलिया निवासी राकेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया। इस भंडारा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुँच प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मठ के महंत अविनाशी दास, विकास कुमार सिंह निप्पू, संजय यादव, छोटू सिंह, मिठू सिंह, मंटू सिंह, मुन्नीलाल साह, मिठू राय सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित की जा रही है 5 दिवसीय कार्यशाला

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

बुधवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग, मुजफ्फरपुर में डायट और ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं को लर्निंग आउटकम आधारित सीखने की योजना के निर्माण में कुशल बनाना है। लर्निंग प्लान का उपयोग विद्यालय के शिक्षक छात्रों को पढ़ाने के दौरान करते हैं, जिससे समयानुसार और कक्षावार छात्रों में योग्यता और कुशलता विकसित हो सके। इसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि एक प्रभावी योजना के माध्यम से अधिगम उपलब्धि को कैसे बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान समय में शिक्षण प्रक्रिया का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है, और भविष्य के शिक्षक के रूप में छात्राध्यापकों को इसे समझना और लागू करना आना चाहिए। कार्यशाला में इन सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और प्रशिक्षुओं द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब व्याख्याताओं द्वारा दिए गए। साथ ही, यह भी बताया गया कि कक्षा में इसे सफलतापूर्वक कैसे लागू किया जा सकता है। आज के सत्र में डायट की प्राचार्य अनामिका कुमारी, वरीय व्याख्याता डॉ. सरिता शर्मा, दीपिन्ति कुमारी, डॉ. मीरा कुमारी, अर्जुन गिरि, आशीष कुमार, पंकज कुमार, रोली, ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के अश्विनी पांडे और धीरज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

तिरहुत स्नातक उप निर्वाचन 2024 दावा और आपत्तियों पर जिलाधिकारी ने की बैठक, 41 मतदान केंद्रों पर जारी प्रक्रिया

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

बुधवार को ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर की अध्यक्षता में आसन्न तिरहुत स्नातक उप निर्वाचन 2024 के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी मान्यताप्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सचिव और प्राधिकृत प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव से संबंधित दावा और आपत्तियों की प्राप्ति की स्थिति और संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करना था। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 41 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें से 21 मतदान केंद्र नगर निगम क्षेत्र में हैं, जबकि शेष 20 मतदान केंद्र प्रखंडों और अंचलों में स्थित हैं। इन सभी मतदान केंद्रों पर प्रपत्र प्राप्त करने का कार्य पदाविहीत पदाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर ज़िला उप विकास आयुक्त (डीडीसी) आशुतोष द्विवेदी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सत्यप्रिय कुमार समेत सभी मान्यताप्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सचिव और प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी दलों को चुनाव प्रक्रिया के हर पहलू पर विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे दावा और आपत्तियों की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।

चिराग के नेतृत्व में पार्टी उचाई पर पहुंचेगी: लोहा पाण्डेय

बीएनएम। रामगढ़वा

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) चिराग पासवान के कुशल नेतृत्व में बहुत उचाई पर पहुंचेगी। उक्त बातें सुगौली विधानसभा क्षेत्र के लोजपा नेता सह प्रदेश महासचिव लोहा पांडेय उर्फ पंकज पांडेय ने रामगढ़वा में कही। इस दौरान लोहा पांडेय ने रांची अधिवेशन में पार्टी सुप्रीमो के रूप में चिराग पासवान के चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त सफलता मिलेगी। वही उन्होंने बताया कि अगर पार्टी उन्हें टिकट देगी तो वे हरहाल में चुनाव सुगौली विधानसभा से लड़ेंगे। इस बार सुगौली की जनता बाहरी उमीदवारों को धूल चटा कर वापस भेज देगी। मौके पर अरविंद तिवारी उर्फ अपुन, विजय कुमार, निराला साह सहित कई लोग उपस्थित थे।वही प्रदेश लोजपा महासचिव ने कहा कि सुगौली व रामगढ़वा प्रखंड के सभी पंचायतों व नगर पंचायत में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है, जिससे पार्टी की नीति व सिद्धान्त को जन-जन तक पहुंचने का कार्य किया जा सके।

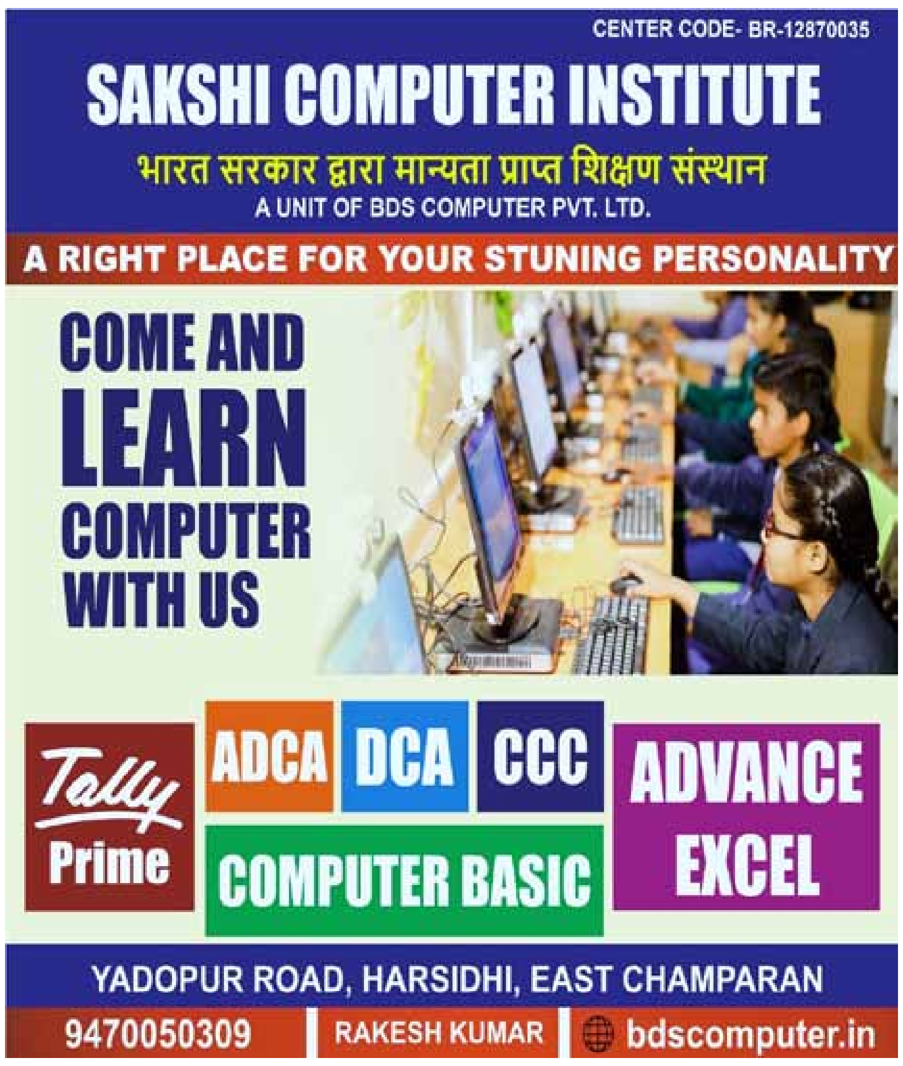

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए।

असंतुष्ट विधायकों ने तो कोई कसर बाकी नही छोड़ी

श्रीगोपाल नारसन

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 13 अगस्त को रुड़की में निकाली गई भाजपा युवा मोर्चा की बाईक रैली में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र की बहनों द्वारा राखी बांधने और उन्हें ईश्वरीय सौगात देने के लिए जब मैंने ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ा होने के नाते दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी से मुख्यमंत्री का समय दिलाने का अनुरोध किया तो उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति से उक्त स्वीकृति के लिए बातकर मुझे जानकारी दी कि दोनों ब्रह्माकुमारीज बहनों व मेरा नाम हैलीपैड पर मिलने वालों की सूची में लिखवा दिया है।जिसपर मैं ब्रह्माकुमारीज बहनों को लेकर बीईजी के मुख्य द्वार पर पहुंचा तो हैलीपैड सूची में हमारा नाम ही नही था,जिस कारण राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी के प्रयास पर भी हैलीपैड के लिए एंट्री नही मिली।जिस पर हमें सांत्वना का मरहम लगाते हुए हमें बाईक रैली स्थल नेहरू स्टेडियम आने के लिए कहा गया और आश्वस्त किया गया कि वहां मुख्यमंत्री बहनों से सम्मान पूर्वक राखी बन्धवाएँगे व ईश्वरीय सौगात बहनों के हाथों से लेंगे।चिलचिलाती धूप के बावजूद ब्रह्माकुमारीज बहने पूरे समय नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री के आगमन का इंतजार करती रही और जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आए तो पार्टी पदाधिकारियों व सांसद-विधायको तथा दर्जा धारियों के अलावा किसी से नही मिले और बिना उद्बोधन के ही मात्र 2 मिनट में बाईक पर सवार होकर चले गए।इसके बाद हम मुलाकात न हो पाने के कारण वापस लौटने ही वाले थे कि हमे फिर से हैलीपैड पर पहुंचने और इसके लिए हैलीपैड पर मुलाकातियों की सूची में हमारा नाम अंकित होने के भरोसे के साथ पुनः हैलीपैड बुलाया गया।लेकिन पुनः पहुंचने पर भी सूची से हमारे नाम गायब थे जिसकारण बहने सुरक्षा कर्मियों से मुख्यमंत्री तक पहुंचने के लिए निवेदन करती रही।मुख्यमंत्री का काफिला हैलीपैड पर पहुंचने के काफी देर बाद बीईजी मुख्य द्वार से होकर हैलीपैड तक देर से अनुमति मिलने के कारण एक तरफ हम लोग समय से नही पहुंच पाए,दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ब्रह्माकुमारीज बहनों का हैलीपैड पर इंतजार करने के बाद राखी लेने का जिम्मा एसएसपी को सौंपकर हेलीकॉप्टर से टेकऑफ कर गए।सुरक्षा कर्मियों की हठधर्मिता के कारण मुख्यमंत्री की ब्रह्माकुमारीज बहनों से मुलाकात नही हो सकी और स्थानीय विधायक प्रदीप बत्रा ने मुख्यमंत्री की ओर से ब्रह्माकुमारीज बहनों से राखी बंधवाकर ईश्वरीय सौगात प्राप्त की।इतना होने के बाद भी ब्रह्माकुमारीज बहने के चेहरों पर संतोष के भाव थे,वे तो बिना किसी स्वार्थ और बिना किसी प्रतिफल की चाहत के परमात्म सेवा के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संस्था की ओर से शुभकामनाएं देना चाहती थी।उनके न मिलने से भी उनके उत्साह व सेवा कार्यो में कोई फर्क नही पड़ा।लेकिन एक सवाल जरूर उठता है कि राज्य का मुख्य सेवक जनता से आखिर इतना दूर क्यो है?जो नागरिक वोट देकर उन्हें मुख्यमंत्री, मंत्री,विधायक, सांसद बनाते है,उन्ही से दूर हो जाना क्या स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित है?यदि नही तो फिर क्या इसके लिए वे नोकरशाह जिम्मेदार नही है जो जनप्रतिनिधियों व जनता के बीच दीवार बनकर खड़े हो जाते है।मुख्यमंत्री तक को पता नही कि उनसे मिलने के लिए आने वाला उनका शुभचिंतक नोकरशाही द्वारा ही रोक दिया जाता है।हालांकि नेताओं की सुरक्षा भी जरूरी है परंतु कुछ साधु संत,सन्यासियों या फिर विदुषियों को सुरक्षा के नाम पर पीछे पीछे घुमाना कदापि उचित नही है। यह सौभाग्य है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कि उन्हें निकाय चुनाव के नाम पर थोड़े समय के लिए ओर स्थिरता मिल गई।वर्ना असंतुष्ट विधायकों ने तो कोई कसर बाकी नही छोड़ी थी,उन्हें कुर्सी से बेदखल करने के लिए।केंद्रीय गृह मंत्री से लेकर कहां कहां नही गए शिकायत करने।उन्ही की सरकार के एक मंत्री का नाम भी नए नेतृत्व के लिए फाइनल हो गया था,पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को मिली छनती हुई खबरें गलत नही थी।वह दिल्ली धामी खेल बिगड़ने से पहले ही दिल्ली पहुंच गए और सबकुछ मैनेज कर लिया।अन्यथा स्वतंत्रता दिवस ही परिवर्तन दिवस बन जाता।भाजपा हरिद्वार की मंगलौर और चमोली की बद्रीनाथ दोनों सीटें कांग्रेस से हार गई । मंगलौर सीट पर भाजपा अपने प्रदर्शन को ठीक बता रही है लेकिन बद्रीनाथ की हार की समीक्षा की बात कर रही है। लोग इसे अयोध्या की हार से जोड़कर देख रहे हैं और कुछ लोग यह कह रहे हैं कि भगवान ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है। जबकि कांग्रेस का कहना है कि पहले भगवान राम ने भाजपा को सज़ा दी है, फिर बद्रीनाथ में नारायण ने और अब बाबा केदार की बारी है।आवाज़ें पार्टी के अंदर से भी उठने लगी हैं और एक वरिष्ठ नेता ने इस हार की वजह प्रत्याशियों के गलत चयन को बताया है। बद्रीनाथ उपचुनाव को लेकर हारने के बाद भी भाजपा में ख़ामोशी ही रही केवल पूर्व मुख्यमंत्री रहे तीरथ सिंह रावत ने कहा कि इनमें प्रत्याशियों का चयन ठीक नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान नहीं मिल रहा है।वे बोले, केदारनाथ में होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी चयन में समझदारी दिखानी होगी।साथ ही कहा कि सबसे राय मशविरा करके प्रत्याशी का चयन करना होगा, थोपना नहीं है।बीते इन उपचुनावों मे भाजपा ने दोनों ही प्रत्याशी बाहरी उतारे थे।करतार सिंह भड़ाना तो हरियाणा से लाए गए थे लेकिन बद्रीनाथ से भाजपा ने राजेंद्र भंडारी को प्रत्याशी बनाया था, जो लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।राजेंद्र भंडारी उस समय इसलिए भी चर्चा में आए थे क्योंकि 17 मार्च को भाजपा में शामिल होने से 24 घंटे पहले ही उन्होंने दावा किया था कि वह कभी कांग्रेस छोड़कर नहीं जाएंगे लेकिन 16 जून को जिन कपड़ों में उन्होंने यह बयान दिया था उन्हीं में वह दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए थे।उनके इस्तीफ़ा देने के बाद ही बद्रीनाथ सीट खाली हुई थी और भाजपा ने वादे के अनुसार राजेंद्र भंडारी को अपने टिकट से मैदान में उतारा था लेकिन यह दांव उलटा पड़ गया।हालांकि सन 2022 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने न सिर्फ़ भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को हराया था बल्कि गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का परचम लहराने वाले वे अकेले विधायक भी बने थे।लेकिन दल बदलकर बद्रीनाथ में दोबारा चुनाव करवाना उनके लिए भारी पड़ गया।वे जिस सीट से वे कांग्रेस के विधायक थे, उसी सीट पर भाजपा उम्मीदवार के तौर पर हार गए। भंडारी के ख़िलाफ़ बीजेपी कार्यकर्ताओं में भी असंतोष था हालांकि वह इसे खुलकर व्यक्त नहीं कर पा रहे थे, दरअसल बीजेपी कार्यकर्ता खुद भंडारी को हरवाना चाहते थे और जो कार्यकर्ता उनके साथ प्रचार में दिख भी रहे थे उन्होंने खुद ही भंडारी को वोट नहीं दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी यह मानते हैं कि भाजपा के वोटर्स ने इस बार पार्टी का साथ नहीं दिया। इन उपचुनावों में 14 प्रतिशत मतदाम कम हुआ है। हालांकि इसके लिए भाजपाई कांग्रेस के कुप्रचार को ज़िम्मेदार बताते हैं।वह कहते हैं कि अगर हमारा वोटर साथ आता तो हम इस सीट को आठ से दस हज़ार वोट से जीतते।भाजपा के अनुसार इस बार कांग्रेस ने बीजेपी का मुकाबला अकेले नहीं किया,बल्कि वामपंथी दल, उत्तराखंड क्रांति दल सब साथ मिलकर बीजेपी से लड़ रहे थे और इसका भी असर परिणाम पर हुआ है।कुछ लोगो ने तो चुनाव के पहले ही यह आशंका जता दी थी कि बद्रीनाथ के परिणाम अयोध्या जैसे हो सकते हैं।जैसे अयोध्या नगरी में गरीबों का निवाला भाजपा द्वारा छीना गया, उसी तरह बद्रीनाथ धाम को पर्यटकों की सैरगाह बनाने के लिए उजाड़ दिया गया है। वही बाहरी प्रत्याशियों के चलते स्थानीय संगठन में नाराज़गी के साथ ही ब्राह्मण मतदाताओं की अहमियत बढ़ने की बात भी कही थी।हालांकि भंडारी की जीत का अंतर 5000 वोटों से ज़्यादा है और यह सिर्फ़ ब्राह्मण वोटों से नहीं आ सकता,जनता नाराज़ थी और उसमें सभी वर्गों के लोग शामिल थे जिन्होंने दल-बदल और मनमानी के ख़िलाफ़ वोट दिया है, इसके अलावा बीजेपी के कार्यकर्ता भी राजेंद्र भंडारी के साथ नहीं थे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी दावा करते हैं कि ब्राह्मण मतदाता पार्टी के साथ रहे हैं। वह कहते हैं कि भले ही उतने वोट न पड़े हों जितने पहले पड़े थे लेकिन बूथों के विश्लेषण से पता चल रहा है कि ब्राह्मण वोटर भाजपा के साथ हैं।विकास के नाम पर स्थानीय लोगों के हक़ छीने जा रहे हैं और अब यह बात बीजेपी के नेताओं को भी समझ आने लगी है। केदारनाथ की पूर्व विधायक शैला रानी रावत (जिनका नौ जुलाई को ही निधन हो गया है) मरने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिली थीं और केदारनाथ में स्थानीय लोगों के बजाय दुकानें बाहर वालों को आवंटित करने पर आपत्ति जताई थी। यही बद्रीनाथ में भी हो रहा है,दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बाहर के पैसे वाले लोग ले रहे हैं और सड़क किनारे स्थानीय सामान बेचने वाले लोगों के लिए जगह ही नहीं बच रही है।वास्तव में अयोध्या से बद्रीनाथ तक कहानी एक ही है। स्थानीय लोगो की ज़मीन, हक़ छीनकर बाहरी कारोबारियों को दे दिए गए जो फिर उससे पैसे कमा रहे हैं और स्थानीय लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और हालात नहीं सुधरे तो पार्टी केदारनाथ की सीट भी हार सकती है। [8/14, 04:05] shreegopalnarsan: वही दिल्ली में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रभारी कुमारी शैलजा की अध्यक्षता में सभी कांग्रेस विधायकों की बैठक एआईसीसी के वार रूम में की गई। इस बैठक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह समेत वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।बैठक में नवनिर्वाचित विधायक काजी निजामुद्दीन और लखपत बुटोला का भी स्वागत किया गया।

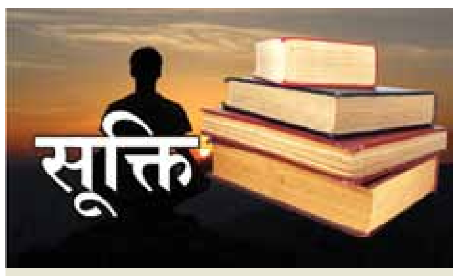

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।

अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।

एलेअनोर रूज़वेल्ट

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि एकादशी, गुरुवासरे, जया एकादशी, यायी जययोग, सर्वार्थ सिद्ध योग रात्रि 7/52 से रात्रि 3/32 तक सर्वार्थ सिद्ध योग तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, साधु-महात्मा, मठ-मंदिर बनाने वाला, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, प्रबंधक, बैंक कर्मचारी होगा।

मेष :- संसारिक धन की प्राप्ति, स्त्री सुख तथा कल्याणकारी कार्य बनेंगे, समाचार प्राप्त होगा।

वृष :- अचानक संतान को श्रेष्ठ लाभ होगा, रोगों की वृद्धि से समय का लाभ लवें।

मिथुन :- व्यर्थ की दौड़धूप होगा, संतान कष्ट होगा तथा शत्रु पराजित होंगे।

कर्क :- वाहन से मानसिक कष्ट, व्यय, तनाव से मानसिक पीड़ा अवश्य ही होगा।

सिंह :- जमीन-जायजाद तथा संतान से सुख की प्राप्ति होगी, योजना गुप्त रखें।

कन्या :- यश, सुख की प्राप्ति होगी, संतान के कार्यों में यश प्राप्त होगा, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

तुला :- मित्र व सहयोगियों से लाभ होगा, रोजगार का प्रस्ताव प्राप्त होगा, अर्थ व्यवस्था बिगड़ेगी।

वृश्चिक :- अभिष्ट सिद्धी की प्राप्ति होगी, अधिकार प्राप्त होगा किन्तु खर्च से मन बेचैन रहेगा।

धनु :- नये निर्माण की योजना पर धन व्यय होगा किन्तु लाभ अवश्य ही प्राप्त होगा।

मकर :- व्यापार से आय का लाभ बराबर बना रहेगा तथा नवीन कार्य योजना की प्राप्ति होगी।

कुम्भ :- अचानक कार्य लाभ होगा परंतु नई समस्या तत्काल ही खड़ी हो जायेगी।

मीन :- नये कार्यों में में खर्च बढ़े, यात्रा, व्यापार से लाभ अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

बलात्कार,बंद और बीजेपी

राकेश अचल

आज का शीर्षक किसी आने वाली फिल्म का नाम नहीं है। ये शीर्षक भारतीय राजनीति में बलात्कार को लेकर राजनीतिक दलों के चरित्र को उजागर करती एक लघुकथा का नाम है। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ ज्यादती के बादकी नृशंस वारदात के बाद बंगाल में भाजपा की राजनीति इतनी बढ़ गयी है कि अब मामला बंगाल बंद तक आ पहुंचा है । इससे पहले आरक्षण के मामले पर विभिन्न संगठनों ने भारत बंद किया था। यानि राजनीति में अब यदि आरक्षण की बात करना है तो आपको बंद करना होगा और यदि महिला उत्पीड़न की बात करना है तो आपको बंद का इस्तेमाल करना होगा। प्रतिकार के लिए शायद बंद के आव्हान से बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं है। ऐसी लोक-मान्यता है कि यदि देश ,सूबा या कोई शहर बंद किया जाता है तो सत्ता प्रतिष्ठान के कान खुल जाते हैं ,आँखें खुल जाती हैं। लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि ये धारणा उचित नहीं है । सत्ता प्रतिष्ठान को नींद से जगाने के लिए अब बंद कारगर हथियार नहीं रह गया है। फिर भी बंद का आव्हान किया जाता है। बीजेपी ने बंगाल बंद का आव्हान किया तो कम से कम मुझे तो हैरानी हुई ,क्योंकि महिला उत्पीड़न अब केवल बंगाल की समस्या नहीं है। पूरे देश की समस्या है। इसलिए यदि बीजेपी को बलात्कार या क़ानून और व्यवस्था के मुद्दे को लेकर बंद का आव्हान करना था तो उसे भारत बंद का आव्हान करना था ,क्योंकि बलात्कार केवल कोलकाता में ही नहीं हुआ। बलात्कार बीजेपी शासित राजस्थान में भी हुआ है,महाराष्ट्र के बदलापुर में भी हुआ है और मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी। बलात्कार कम से कम भारत की एक राष्ट्रीय समस्या है। एनसीआरबी के आंकड़े ही सही मान लिए जाएँ तो इस देश में हर साल कम से कम 25 हजार महिलायें बलात्कार का शिकार होतीं है। ये तो वे महिलाएं हैं जो साहस कर पुलिस में रिपोर्ट करने पहुंचतीं हैं,बाकी इससे ज्यादा बलात्कार के मामले लोक -लाज,भय और असुरक्षा की वजह से रिपोर्ट ही नहीं होते। बलात्कार के मामलों को फास्ट कोर्ट में चलाने और आरोपियों की सजा दिलाने में हमारी सरकारें नाकाम रहीं है। अभियोजन अक्षम साबित हुया है। कुल 27 फीसदी मामलों में ही आरोपियों को सजा मिली है। हमारी अदालतें तो बलात्कार के मामलों में सजायाफ्ता अपराधियों को फलरो के तहत बार-बार जमानत देने कि उदारता और दिखा रहीं है। बलात्कार के बहाने से बीजेपी ने एक काम जरूर किया है कि यदि बलात्कार का आरोपी है तो उसके घरों को बुलडोज जरूर कर दिया है । बीजेपी का ये पुरुषार्थ भी विवादों की एक बड़ी वजह है । लेकिन बीजेपी भारतीय न्याय संहिता के तहत आरोपियों को दण्डित करने के बजाय बुल्डोजर संहिता पर ज्यादा भरोसा करती है। बलात्कार के मामलों को लेकर हमारी देश की अदलातों का व्यवहार भी सिलेक्टिव्ह जान पड़ता है। हमारी अदालतें कोलकाता के बलात्कार के मामले में सीबीआई को हड़काती है ,लेकिन ऐसा कितने मामलो में होता है। क्या सीबीआई हर मामले की जांच करने के लिए तैयार है ? क्या भाजपा द्वारा नियुक्त तमाम राज्यपाल बलात्कार पीड़ितों के परिजनों से उसी तरह मिलने के लिए राजी हैं जैसा की वे कोलकाता में कर रहे है ? बलात्कार के नाम पर बंद की राजनीति ही नहीं बल्कि राज्यपालों की राजनीती भी बंद होना चाहिए । भारत में ऐसा कौन सा राज्य है जहां बलात्कार नहीं होते । जहाँ कोलकाता से ज्यादा जघन्य वारदातें नहीं होतीं ? बलात्कार एक सामाजिक विकृति का मुद्दा है। क़ानून और व्यवस्था का मुद्दा है ,राजनीति का मुद्दा नहीं। यदि बलात्कार के मुद्दे पर बीजेपी राजनीति करती है तो भी बुरी बात है और यदि कांग्रेस करती है तो भी बुरी बात है। बुरी बात तो बुरी बात ही है ,चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल हो। राजनीति का मुकाबला राजनीति से हो ,कार्यक्रमों से हो ,नीतियों से हो न की मुकाबला करने के लिए बलात्कार जैसी घृणित वारदात का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जाये। बंगाल जीतना बीजेपी का एक पुराना सपना है ,लेकिन दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद बीजेपी बंगाल नहीं जीत पायी है। साम,दाम,दंड और भेद से भी नहीं जीत पायी। राज्यपालों के दुरूपयोग से भी नहीं जीत पायी। अब बंगाल में बार-बार खेत होती रही बीजेपी बलात्कार के मुद्दे पर बंद का आयोजन कर बंगाल को जीतना चाहती है। लेकिन बंगाल को जीतना यदि इतना ही आसान होता तो महाबली अमितशाह वहां परास्त न होते। बंगाल जीतने का सपना पूरा न होने से बीजेपी हताश है और हताशा में ही बीजेपी घृणित राजनीति पर उतर आयी है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव से नये दौर की उम्मीद

ललित गर्ग

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामाकंन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है, अनुशासित दल की उसकी छवि को धक्का भी लगा। स्थिति यह है कि पार्टी ने सोमवार को 44 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के थोड़ी ही देर बाद व्यापक विरोध के कारण उसे वापस ले लिया। इसके बाद जो सूची जारी की गई, उसमें 15 ही प्रत्याशियों के नाम थे। यह आलम तब है, जब पहली सूची भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंजूर की गई थी। यदि भाजपा औरों से अलग तथा अनुशासित दल की अपनी छवि के प्रति सचेत है तो उसे प्रत्याशी चयन की अपनी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक आकार देना ही होगा। पहले जारी सूची का विरोध जिन कारणों से हुआ, उनमें एक तो दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाना रहा और दूसरे दोनों पूर्व उप मुख्यमंत्रियों का नाम न होना। लगता है भाजपा को अभी भी लोकसभा चुनावों में हुई गलतियों का आभास नहीं है। लोकसभा चुनाव में उसे दूसरे दलों के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का किस तरह नुकसान उठाना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची का विरोध यह भी बताता है कि भाजपा प्रत्याशी चयन की कोई नीर-क्षीर, पारदर्शी और ऐसी प्रक्रिया का निर्माण नहीं कर सकी है, जिससे असंतोष, विरोध और भितरघात का सामना न करना पड़े। वैसे यह समस्या केवल भाजपा की ही नहीं, सभी दलों की है। कम से कम यह तो होना ही चाहिए कि राजनीतिक दल प्रत्याशियों के चयन में अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दें। यह कठिन कार्य नहीं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र विकसित करने से बच रहे हैं। चुनाव अभियान प्रारम्भ हो रहा है। प्रत्याशियों के नामांकन हो रहे हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बताकर सब समस्याएं मिटा देने तथा सब रोगों की दवा बन जाने की नैतिकता की बातें करते हुए व्यवहार में अनैतिकता को छिपायेंगे। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक होंगे। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बतायेंगे। इस बार दलों में जितना अन्दर-बाहर होता हुआ दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि चुनाव परिणामों के बाद भी एक बड़ा दौर असमंजस का चलेगा। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।" इसलिये प्रांत के लोगों को मतदान करते हुए विवेक का परिचय देना होगा। इन चुनावों की जटिलता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि एक दशक पहले यानी 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब विशेष राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और भाजपा एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। राज्य में अब भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिन्दू बहुल सीटों और कश्मीरी पंडितों के वोट बैंक को अपने खाते में डालने के इरादे से मैदान में उतर रही है और ऐसे में कांग्रेस की हालत खराब होना तय माना जा रहा है। भले ही सभी क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है, लेकिन भाजपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए भविष्य में क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बहती हवा में जाने की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर एक राज्य के रूप में शुरू से विशिष्ट रहा है, इस दृष्टि से वहां होने वाले चुनाव भी विशेष एवं अन्य राज्यों से भिन्न है। बड़ी बात यह है कि पार्टियां एक-दूसरे के बारे में चाहे जो भी कहें, ये सभी भारतीय संविधान के तहत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में हिस्सेदारी कर रही हैं और जनादेश को भी स्वीकार करेंगी। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों से उम्मीद जगी है कि यहां से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही इन चुनावों की सार्थकता है। जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेगी।

ब्रह्म की शक्ति व पार्श्व परिवर्तन

संजय गोस्वामी

व्रह्म अज्ञेय है, अवर्णनीय है। कर्त्ता के २ भाग हैं- एक रूप में केवल द्रष्टा हैं, अन्य रूप में विश्व के सञ्चालक। इनको साक्षी और भोक्ता सुपर्ण रूप कहते हैं। व्यक्ति शरीर में इनको आत्मा और जीव कहते हैं। ब्रह्म की शक्तियां ७ ऋषि रूप में हैं, जिनके समन्वय को पक्षी रूप में व्यक्त करते हैं। इसके चित्र को सुपर्ण चिति कहते हैं। सृष्टि के ४ मूल बल चौकोर शरीर हैं, २ पक्ष समरूपता है, नियन्त्रक या तेज सिर है, विषमता पुच्छ है। इनसे अग्नि (पदार्थ पिण्ड) का चयन होता है, जिससे विभिन्न निर्माण होते हैं। द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया, समानं वृक्षं परिषस्वजाते। तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति, अनश्नन्नन्यो अभिचाकषीति॥ (मुण्डक उप. ३/१/१, श्वेताश्वतर उप. ४/६, ऋक्, १/१६४/२०, अथर्व, ९/९/२०) सुषुम्ना चेतना या ज्ञान का वृक्ष है। उसके मध्य (आज्ञा चक्र) में २ सुपर्ण (हंस, पक्षी) रहते हैं (परिषस्वजाते-पड़ोस में)। उनमें अन्य (एक) पिप्पल (पिब् + फल = जिस फल में आसक्ति हो) को स्वाद सहित खाता है। अन्य (दूसरा) बिना खाये (बिना आसक्ति = अनश्नन्) केवल देखभाल करता है। त इद्धाः सप्त नाना पुरुषानसृजन्त। स एतान् सप्त पुरुषानेकं पुरुषमकुर्वन्-यदूर्ध्वं नाभेस्तौ द्वौ समौब्जन्, यदवाङ् नाभेस्तौ द्वौ। पक्षः पुरुषः, पक्षः पुरुषः। प्रतिष्ठैक आसीत्। अथ या एतेषां पुरुषाणां श्रीः, यो रस आसीत्-तमूर्ध्व समुदौहन्। तदस्य शिरोऽभवत्। स एवं पुरुषः प्रजापतिरभवत्। स यः सः पुरुषः-प्रजापतिरभवत्, अयमेव सः, योऽयमग्निश्चीयते(कायरूपेण-शरीररूपेण-मूर्त्तिपिण्डरूपेण-भूतपिण्डरूपेण)। स वै सप्तपुरुषो भवति। सप्तपुरुषो ह्ययं, पुरुषः-यच्चत्वार आत्मा, त्रयः पशुपुच्छानि। (शतपथ ब्राह्मण, ६/१/१/२-६) ३. पार्थिव सुपर्ण-पृथ्वी पर सूर्य की गति २ प्रकार की है। वार्षिक गति उत्तरायण (मकर से कर्क रेखा तक) तथा उसके विपरीत दक्षिणायन है। यही सुपर्ण का विस्तार है। मकर रेखा पर सूर्य ३ तारा (तार्क्ष्य, ऋक्ष = तारा, भालू) वाले श्रवण नक्षत्र में रहता है (विक्रमादित्य काल में जब शून्य अयनांश था)। स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवा स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः। स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥ (यजु, २५/१९) यह आकाश के वृत्त (पृथ्वी कक्षा) की ४ दिशा हैं-ज्येष्ठा नक्षत्र का स्वामी इन्द्र, रेवती का पूषा, श्रवण का गोविन्द जो अरिष्ट की नेमि या सीमा (दूर करने वाले) हैं, तथा पुष्य का बृहस्पति। दक्षिण में सूर्य रहने पर हमारे उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ी रात्रि तथा शीत होता है अतः यह अरिष्टनेमि है। उत्तरी सीमा के कर्क रेखा को केवल नेमि कहते हैं। उत्तर -दक्षिण

दिशा में यह सूर्य की धुरी (नेमि) है। पृथ्वी अक्ष का झुकाव २२ से २६ अंश तक घटता बढ़ता है। कर्क रेखा की सीमा या नेमि का स्थान नैमिषारण्य है (कूर्म पुराण, २/४३/७, पद्म १/१, वराह, ११/१०७, वायु, १२५/२७, शिव, ७/१/३/५३)। इक्ष्वाकु काल में मिथिला की सीमा पर कर्क रेखा थी अतः वहां के राजा इक्ष्वाकु पुत्र को निमि कहते थे। उनकी निमि (पलक) नहीं गिरती थी। सूर्य चक्षु है, विषुव रेखा पर वह बन्द रहता है, कर्क, मकर रेखा पर पूरी तरह खुल जाता है। (भागवत पुराण, ९/१३, विष्णु, ४/५ आदि)। आज भी मिथिला में सूर्य के कर्क रेखा पर स्थित होने पर पञ्चाङ्ग आरम्भ होता है। इस सूर्य गति के भी छन्द हैं। यहां गरुड़ संवत्सर रूप है। अथ ह वाऽ एष महासुपर्ण एव स्यात्संवत्सरः। तस्य यान्पुरस्ताद्विषुवतः षण्मासानुपश्यन्ति सोऽन्यतरः पक्षो ऽथ यान्षड् उपरिष्टात् सः अन्यतरः। आत्मा विषुवान्। (शतपथ ब्राह्मण, १२/२/३/७) यह वर्गीकरण ब्रह्मा के स्थान पुष्कर (अभी बुखारा) के अनुसार है, जो उज्जैन से १२ अंश पश्चिम है (विष्णु पुराण, २/२८)। वेदाङ्ग ज्योतिष के अनुसार सबसे बड़ा दिन १६ घण्टे का था। सबसे छोटा दिन ८ घण्टे का होगा, उसका आधा। अतः इनको गायत्री (२४ अक्षर) से जगती (४८ अक्षर) तक बांटा गया है। विषुव के उत्तर तथा दक्षिण में १२, २०, २४ अंश के अक्षांश वृत्तों से ये वीथियां बनती थीं। ३४० उत्तर अक्षांश का दिनमान सूर्य की इन रेखाओं पर स्थिति के अनुसार ८ से १६ घण्टा तक होगा। अतः दक्षिण से इन वृत्तों को गायत्री (६ x ४ अक्षर) से जगती छन्द (१२ x ४ अक्षर) तक का नाम दिया गया। इसकी चर्चा ऋग्वेद (१/१६४/१-३, १२, १३, १/११५/३, ७/५३/२, १०/१३०/४), अथर्व वेद (८/५/१९-२०), वायु पुराण, अध्याय २, ब्रह्माण्ड पुराण अध्याय (१/२२), विष्णु पुराण (अ. २/८-१०) आदि में है। इनके आधार पर पं. मधुसूदन ओझा ने आवरणवाद में इसकी व्याख्या की है (श्लोक १२३-१३२)। बाइबिल के इथिओपियन संस्करण में इनोक की पुस्तक के अध्याय ८२ में भी यही वर्णन है। ४. दिव्य दिन-ऋतु चक्र के अनुसार सौर वर्ष को दिव्य दिन कहा गया है। इसमें मकर रेखा से कर्क रेखा तक सूर्य गति (जहां सूर्य किरण लम्ब हो) या उत्तरायण देवों का दिन और कर्क से मकर तक की गति देवों की रात्रि है। असुरों के लिए यह विपरीत है। ऐन्दवस्तिथिभिः तद्वत् सङ्क्रान्त्या सौर उच्यते। मासैर्द्वादशभिर्वर्षं दिव्यं तदह उच्यते॥१३॥ सुरासुराणामन्योन्यमहोरात्रं विपर्ययात्। षट् षष्टिसङ्गुणं दिव्यं वर्षमासुरमेव च॥१४॥ (सूर्य सिद्धान्त, अध्याय १) अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायनम्॥२४॥ धूमो रात्रिस्तथा कृष्णः षण्मासा दक्षिणायनम्॥२५॥ (गीता, अध्याय, ८) सौर संक्रान्ति से चान्द्र मास का आरम्भ नहीं होता है। यदि विषुव संक्रान्ति से चैत्र मास का आरम्भ मानें तो- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ -उत्तरायण का द्वितीय अर्ध-विषुव से कर्क तक। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद- कर्क से विषुव तक-दक्षिणायन का प्रथम अर्ध। आश्विन, कार्त्तिक, मार्गशीर्ष-दक्षिणायन का द्वितीय अर्ध। पौष, माघ, फाल्गुन - उत्तरायण का प्रथम अर्ध। दक्षिणायन के प्रथम अर्ध अन्त होने के समय (प्रायः भाद्र शुक्ल एकादशी को) सूर्य विषुव रेखा को पार करते हैं, या पृथ्वी के उत्तर गोल से दक्षिण गोल जाते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विदेश में पढ़ाई के नए रास्ते

विदेश में पढ़ाई करने का मतलब अब यूके या यूएस में ही पढ़ना नहीं है। आजकल स्टूडेंट्स साइप्रस और मिलान जैसे डेस्टिनेशंस भी चुन रहे हैं। हाल के आंकड़ों के मुताबिक हर साल लगभग एक लाख इंडियन स्टूडंट्स अमेरिका और 30 से 45 हजार स्टूडंट्स यूके जाते हैं। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के 4 लाख 15 हजार स्टूडेंट्स का पांचवां हिस्सा सिर्फ भारतीय हैं। लेकिन इन देशों में जाने का क्रेज अब धीरे-धीरे कम हो रहा है और स्टूडंट्स इटली, पोलैंड, जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड व स्वीडन जैसे देशों का रुख करने लगे हैं। ओवरसीज एजुकेशनल कंसल्टेंट हेमंत अग्रवाल का कहना है, विदेश में पढ़ाई का ट्रेंड अब दो कैटिगरी में बंट गया है। जो स्टूडंट्स माइग्रेट होकर लॉन्ग टर्म सेटलमेंट के बारे में सोचते हैं, वे यूके, यूएस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को ही प्राथमिकता देते हैं। हालांकि कुछ लोग न्यूजीलैंड और सिंगापुर भी चुनते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड से ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर से यूएस जाने का रास्ता उन्हें आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा, करियर ओरिएंटेड स्टूडंट्स आगे की पढ़ाई के लिए चीन, इटली और जर्मनी जाते हैं। हेमंत की मानें, तो यूएस का एजुकेशन सिस्टम काफी अच्छा है, लेकिन स्टूडंट्स का आकर्षण यहां की इकॉनमी और कोर्सेज की मार्किटिंग की है। वहीं जर्मनी और पोलैंड को इंजीनियरिंग के लिए प्राथमिकता दी जाती है। स्विट्जरलैंड होटेल मैनेजमेंट और ट्रैवल कोर्सेज के लिए बेहतर माना जाता है, तो फ्रांस फैशन और मैनेजमेंट के लिए। डेनमार्क और स्वीडन को कैंसर पर रिसर्च करने में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स प्राथमिकता देते हैं। प्रॉडक्ट डिजाइन में मास्टर्स करने के लिए मिलान का चयन करने वाले निलय शाह फिलहाल आईआईएम में डिजाइन कंसल्टेंट का काम कर रहे हैं। वह कहते हैं, दुनिया की फैशन कैपिटल में अपनी पढ़ाई में स्पेशलाइजेशन करना ही मेरा पहला लक्ष्य था। हालांकि वहां जॉब बहुत कम हैं, लेकिन मैंने वहां से जो कुछ भी सीखा, वह बेहतरीन रहा। साइप्रस से एमआईएस करने वाले आशुतोष अय्यर कहते हैं, मैं किसी ऐसी जगह से पढ़ाई करना चाहता था, जहां पढ़ाई और जॉब मिलने के चांसेज के साथ मुझे रिलैक्स लाइफ भी मिले। हालांकि भाषा और खाने की समस्या इन देशों में सामने आ सकती है, बावजूद इसके, यूरोपियन देशों को छोड़कर ज्यादातर स्टूडेंट्स सिंगापुर जाना पसंद कर रहे हैं। कंसल्टेंट रोहित पटेल कहते हैं, सिंगापुर में बच्चों को कोर्स क्लीयर नहीं करने पड़ते। साथ ही, यहां की पढ़ाई भी सस्ती है। लेकिन क्या वजह है, जो ज्यादातर स्टूडेंट्स विदेश में जाकर पढ़ना चाहते हैं? क्या उनके मनचाहे कोर्स हमारे यहां उपलब्ध नहीं हैं? रोहित कहते हैं, बेशक हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा हो रहा है, लेकिन यहां प्राइम इंस्टिट्यूट में दाखिला पाना बहुत मुश्किल है। वैसे, मुद्दा यह भी है कि आजकल बिजनेस ग्लोबल हो गया है और जिन लोगों ने किसी प्रतिष्ठित फॉरेन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई भी है, उन्हें जॉब मिलने में कोई कठिनाई नहीं होती। ओवरसीज कंसल्टेंट मनोज शाह कहते हैं, न्यूजीलैंड के कुछ खास कोर्स स्टूडेंट्स के लिए ऑस्ट्रेलिया में पर्मानेंट सेटल होने की संभावना बढ़ा देते हैं। इस वजह से भी काफी लोग न्यूजीलैंड पढ़ने जाते हैं। सिंगापुर के फ्रेंच इंस्टीट्यूट से एमबीए करने वाले आशीष कहते हैं, चसिंगापुर में इंटरनैशनल डाइवसिर्टी के साथ कोई खास एमबीए प्रोग्राम नहीं है। हालांकि वहां की लाइफ की क्वॉलिटी काफी बेहतर है। विदेशों की पढ़ाई में काफी फ्लैक्सिबिलिटी होती है। ग्लोबल एंवॉयरमेंट में स्टूडंट्स की विशेष प्रतिभा निखरती है और दुनिया में कहीं भी उन्हें काम मिल सकता है।

ज्यूलरी में चमकाएं करियर

भारत दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। यह डायमंड कटिंग के लिए भी पूरी दुनिया में मशहूर है। वर्तमान में जयपुर को विश्व को सबसे बड़े जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है

रत्नों और आभूषणों की खूबसूरती और चमक प्रत्येक व्यक्ति को आकर्षित करती है। कुछ लोग ज्यूलरी के इतने पारखी होते हैं, कि वे बिना किसी औपचारिक शिक्षा के इसकी गुणवत्ता और डिजाइन की बारीक समझ रखते हैं। वैसे, भारत में ज्यूलरी डिजाइन का काम एक खास वर्ग करता रहा है, लेकिन आज यह तस्वीर तेजी से बदलती जा रही है। यही कारण है कि देश के कुल निर्यात में जेम्स ऐंड ज्यूलरी सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान है। आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत कुल निर्यात का लगभग सत्तर फीसदी निर्यात जेम्स ऐंड ज्यूलरी प्रोडक्ट का ही करता है। भारत दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। यह डायमंड कटिंग के लिए भी पूरी दुनिया में मशहूर है। वर्तमान में जयपुर को विश्व को सबसे बड़े जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है। यही कारण है कि जयपुर के साथ-साथ सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद आदि शहरों में जेम्स ऐंड ज्यूलरी के विशाल एक्सपोर्ट हाउसेस मौजूद हैं। जिन लोगों को ज्यूलरी डिजाइनिंग एवं जेमोलॉजी में रुचि है, उनके लिए इस सेक्टर में करियर की बेहतरीन संभावनाएं मौजूद हैं।

करियर संभावनाएं

माना जाता है कि जिस सेक्टर में जितनी तेजी से विकास होता है, उसे और विकसित करने के लिए ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत अनिवार्य रूप से होती है। इस लिहाज से देखें, तो जेम्स ऐंड ज्यूलरी सेक्टर भी अछूता नहीं है। इस सेक्टर में आज भारी संख्या में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। जहां तक इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की बात है, जेमोलॉजी ऐंड ज्यूलरी डिजाइन का कोर्स कर लेने के बाद आपको प्राइवेट एक्सपोर्ट हाउसेस, ज्यूलरी डिजाइनिंग ऐंड कटिंग फर्म्स और इससे जुड़ी कंपनियों में काफी आकर्षक जॉब मिल सकती है। इसके अलावा, यदि आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो संबंधित क्षेत्र में अनुभव और कौशल प्राप्त करने के बाद अपना रिटेल, होल सेल या ज्यूलरी-शॉप्स भी खोल सकते हैं। वैसे, यदि आप इस क्षेत्र के 'प्योर क्रिएटिव जॉब्स' से जुड़ते हैं, तो यहां आपकी शुरुआती सैलॅरी करीब पन्द्रह हजार तक हो सकती है।

जेमोलॉजी एंड ज्यूलरी डिजाइन का कोर्स करने के बाद आप निम्नलिखित पदों पर काम कर सकते हैं :

- ज्यूॅलरी डिजाइनर
- प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट ऑफिसर
- मर्केंडाइजर
- सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल
- कंसल्टेंट
- कैड डिजाइनर
- रिसर्चर आदि

उपलब्ध कोर्स

जेमोलॉजी ऐंड ज्यूलरी डिजाइन कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। जेमोलॉजी ऐंड ज्यूलरी डिजाइन में डिग्री (तीन वर्षीय), डिप्लोमा (दो वर्षीय) और सर्टिफिकेट कोर्सेज (एक साल) के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्स भी संचालित किए जाते हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सों की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक हो सकती है। देश में कुछ ऐसे प्रसिद्ध संस्थान हैं, जहां इन कोर्सों की अवधि अलग-अलग है। जैसे, जयपुर स्थित आर्क जेमोलॉजी ऐंड ज्यूलरी इंस्टीट्यूट में आप तीन वर्षीय डिग्री इन ज्यूलरी डिजाइन ऐंड जेमोलॉजी, दो-वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इन ज्यूलरी डिजाइन ऐंड जेमोलॉजी दोनों तरह के कोर्सों में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त इनसाइन-द ज्वेल इंस्टीट्यूट दिल्ली में डिप्लोमा कोर्स की अवधि एक वर्ष की होती है। यहां सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन कस्टम-मेड ज्यूलरी मैन्युफैक्चुरिंग का कोर्स होता है, जिसकी कुल अवधि छह माह है। यहां कुछ ऐसे सर्टिफिकेट कोर्स भी हैं, जिनकी कुल अवधि तीन और दो माह की भी होती है।

जरूरी योग्यता

यदि आप बारहवीं या ग्रेजुएट हैं, तो आपके लिए जेम्स ऐंड ज्यूलरी सेक्टर में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यदि बारहवीं पास हैं, तो डिग्री कोर्स में और यदि ग्रेजुएट हैं, तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश पा सकते हैं। वैसे, इस क्षेत्र में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए अंग्रेजी और कम्युनिकेशन स्किल भी बहुत अच्छी होनी चाहिए।

व्यक्तिगत कौशल

भले ही एक सफल जेमोलॉजिस्ट बनने के लिए उच्चस्तरीय शैक्षणिक योग्यता आवश्यक नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में आने के लिए कैंडिडेट्स में कुछ खास गुणों का होना बहुत जरूरी है। जैसे, रचनात्मकता, एकाग्र होकर लंबे समय तक काम करने की क्षमता, अवलोकन करने की क्षमता आदि। इसके अलावा, कैंडिडेट्स में यदि पहल करने और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की भी योग्यता है, तो वे इस करियर को और ज्यादा एंज्वॉय कर सकते हैं।

शिक्षा का अधिकार है जरूरी

प्रत्येक बच्चे को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त होना स्वतंत्र भारत के इतिहास की युगांतकारी घटना साबित हो सकती है। चीन के बाद दूसरी सबसे तेज आर्थिक विकास दर दर्ज करने तथा विश्व स्तर पर अन्य अनेक उपलब्धियों के बावजूद अशिक्षितों की विशाल संख्या अब भी भारत के लिए लज्जा का विषय है। यदि अनिवार्य शिक्षा के कानून पर ठीक तरह से अमल हो सका, तो यह धब्बा भी धुल जाएगा तथा देश विकास के पथ पर और तेजी से कुलाँचे भर पाएगा।सोलह साल पहले सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक निर्णय में देश के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य मूलभूत शिक्षा प्रदान किए जाने का सरकार को सुझाव दिया था। यह एक ऐतिहासिक सुझाव था मगर, इस पर अमल असंभव लग रहा था।दुनिया के तमाम ऐसे देश हैं जहाँ शिक्षा मूलभूत अधिकार है और हमारे भी संवैधानिक हकों में यह शामिल थी, लेकिन व्यवहार में सबके लिए मुफ्त और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा का कोई ऐसा कानून नहीं था ताकि हर हिन्दुस्तानी शिक्षित होने का हक पा सके। बहरहाल, 2003 में इस संबंध में गंभीरता से काम शुरू हुआ और 2005 में पहली बार %राइट टू फ्री एंड कंपलसरी एजुकेशन बिल का पहला ड्रॉफ्ट तैयार हुआ। इसके बाद देर भले हुई हो पर सैद्धांतिक रूप से किसी ने इसका विरोध नहीं किया। हर गुजरते दिन के साथ भारत इस ऐतिहासिक उपलब्धि के करीब पहुँचता जा रहा था और जब 2008 में निर्णायक रूप से यह बिल संसद में पास हुआ तो सबको यह उम्मीद बँध गई थी कि अब बहुत ही जल्द भारत उन गिने-चुने संभ्रांत देशों के क्लब में शामिल होगा जिनके यहाँ मूलभूत शिक्षा मुफ्त और अनिवार्य है। बस, इस बात का इंतजार था कि देखें यह श्रेय किसके खाते में जाता है।

क्या आप अप्रेजल के लिए हैं तैयार

अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं

इस समय आपको चाहिए कि अपने बॉस की सभी आकांक्षाओं पर खरे उतरें और बेहतर ढंग से ऑफिस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। भले ही अब तक आप समय से अपना काम करते रहे हों, लेकिन अब खुद को साबित करने का वक्त आ गया है। इसका मतलब है- बॉस की नजरों में अपनी उपयोगिता साबित करना। यह काम आप बॉस के सामने अपनी अच्छी इमेज बनाने के अलावा मीटिंग में नए व उपयोगी उपाय देकर भी कर सकते हैं। हमेशा याद रखें कि कोई भी बॉस अपने इर्द-गिर्द केवल ऐसे ही लोगों को देखना चाहता है, जो मेहनती और समझदार होने के साथ-साथ कंपनी के लिए फायदेमंद व ईमानदार हों।

किसी की मदद लेने से बचें

वक्त जरूरत पर अपने सहकर्मियों व अधीनस्थों से काम में मदद लेना अच्छा है, लेकिन इस वक्त अपना काम खुद ही करने का प्रयास करें। कहीं बॉस के पास गलती से भी यह संदेश न चला जाए कि आप अपने कामों के लिए दूसरों पर आश्रित हैं। यह जाहिर करें कि आप अपना सारा काम खुद करते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर ऑफिस की और जिम्मेदारी उठाने का माद्दा भी आप में है।

अपने व्यक्तित्व को बनाएं प्रभावी

ऑफिस में अपने पहनावे और व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। कपड़े हमेशा ऑफिस के अनुकूल ही पहनें। आपका अच्छा पहनावा दूसरों पर सकारात्मक प्रभाव तो डालता ही है। साथ में इससे यह भी पता चलता है कि आप अपने ऑफिस व उससे जुड़े काम को लेकर कितने संजीदा हैं। सहकर्मियों और अधीनस्थों के साथ आपका अच्छा बर्ताव और सहयोगी रवैया कभी भी बेकार नहीं जाता। आपकी यह अच्छी इमेज आपको बॉस की गुड बुक में जल्द ही लाकर खड़ा कर सकता है।

काम के प्रति ईमानदारी जरूरी

समय से ऑफिस पहुंचना, अपना काम समय पर पूरा करना, सहकर्मियों के साथ सहयोगी व्यवहार, कार्यालय के सभी कार्यों की समझ होना और कंपनी की नीतियों व लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करना असर पैदा करता है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिनका ध्यान रखना बेहद जरूरी है, न सिर्फ अप्रेजल टाइम पर ही, बल्कि प्रतिदिन के व्यवहार में।

टी20 विश्वकप

हरमनप्रीत को टी20 विश्वकप जीतने का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना रहेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि यूएई के हालात उनकी टीम के लिए लाभप्रद रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब भी हम विश्व कप जैसे किसी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो हमारा लक्ष्य बेहमतर प्रदर्शन करना रहता है। साथ ही कहा कि हमने पूर्व में भी हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद करते हैं कि इस बार भी हम अंतिम बाधा को पार करने में सफल रहेंगे और खिताबी जीत हासिल करेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल में बदलाव से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यूएई के मैदान भारत के जैसे ही हैं। उन्होंने कहा, 'हमने यूएई में काफी क्रिकेट नहीं खेला है पर यूएई की परिस्थितियों हमारे यहां के समान ही नजर आती हैं। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 2020 टी20 विश्व कप के फाइनल में हार गयी थी पर इस बार वह कोई गलती नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि वहां के हालात कैसे होते हैं, हम जितनी जल्द हो हालात से तालमेल बैठाने के पूरे प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, 'एक टीम के रूप में, हम अपनी असफलताओं से ही सीखते हैं और उन बाधाओं को तोड़ते हैं जो हमें पीछे करती रही हैं। उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप में और अधिक सकारात्मक तरीके से खेलेंगे।

टी20 विश्वकप

टी20 महिला विश्व कप के अभ्यास मैच 28 सितंबर से शुरु होंगे, भारत का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज से

- सभी टीमें दो-दो अभ्यास मैच खेलेंगी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 महिला विश्व के लिए अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें भारतीय टीम वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से दुबई में दो अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम का पहला अभ्यास मैच 29 सितंबर को वेस्टइंडीज जबकि एक अक्टूबर को वह दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमों को दो-दो अभ्यास मैच खेलने को मिलेंगे। पहला अभ्यास मुकाबला 28 सितंबर को पाकिस्तान और स्कॉटलैंड और श्रीलंका व बांग्लादेश के बीच होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 29 सितंबर को इंग्लैंड से खेलेगी। इसके बाद उसका सामना एक अक्टूबर को दुबई में वेस्टइंडीज से होगा। अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इसमें प्रत्येक टीम अपने सभी 15 खिलाड़ियों को मुकाबले में उतार सकेगी। । किसी भी ग्रुप की दो टीम अभ्यास मैच के दौरान एक दूसरे से नहीं खेलेंगी। इसमें भारत को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि। ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश की टीमें रहेंगी। विश्वकप के मुख्य मुकाबले तीन अक्टूबर से शुरु होंगे।

अभ्यास मुकाबलों का कार्यक्रम इस प्रकार है :

- 28 सितंबर : पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 28 सितंबर : श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (आईसीसीए 1, दुबई)
- 29 सितंबर : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका (सेवेंस, दुबई)
- 29 सितंबर : भारत बनाम वेस्टइंडीज (आईसीसीए 2, दुबई)
- 29 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड (आईसीसीए 1, दुबई)
- 30 सितंबर : श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 30 सितंबर : बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर : वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया (सेवेंस, दुबई)
- एक अक्टूबर: इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर: दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत (आईसीसीए 1, दुबई)

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ब्रैडमैन का शतकों का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास बांग्लादेश के खिलाफ अगले माह घरेलू धरती पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के अलावा जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ के शतकों का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। विराट ने अब तक 113 टेस्ट मैचों में 49.15 की औसत से 8848 रन बनाए हैं, जिनमें 29 शतक भी शामिल हैं। वहीं क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाज माने जाने वाले डॉन ब्रैडमैन ने सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। ऐसे में इस सीरीज में एक शतक लगाते ही विराट ब्रैडमैन से आगे निकल जाएंगे। इसके अलावा अब तक केवल तीन क्रिकेटरों ने ही विराट से ज्यादा शतक लगाए हैं। ये क्रिकेटर हैं जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ। रूट, विलियम्सन और स्मिथ के नाम 32-32 टेस्ट शतक हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक शतक की बात करें तो सचिन तेंदुलकर के नाम 51 टेस्ट शतक लगाए हैं। विराट इस सीरीज से आठ महीने बाद कोई टेस्ट में वापसी करेंगे। उन्होंने अंतिम बार जनवरी 2024 में टेस्ट मैच खेला था। उसके बाद से ही वह निजी कारणों से टीम से दूर रहे हैं। वहीं भारत में उन्होंने पिछला टेस्ट मैच मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। ऐसे में प्रशंसकों को भी लंबे समय बाद लंबे प्रारुप में उनकी बल्लेबाजी देखने को मिलेगी।

बांग्लादेश के खिलाफ हार पर भड़के इमरान ने कहा पीसीबी प्रमुख ने क्रिकेट को बर्बाद किया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और 1992 विश्वकप विजेता टीम के कप्तान रहे इमरान खान ने पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी की कड़ी आलोचना की है। इमरान ने कहा कि जिस प्रकार टीम को बांग्लादेश के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। उससे साफ है कि नकवी क्रिकेट टीम को बर्बाद करने में लगे हैं। इमरान ने बांग्लादेश से हार को शर्मनाक करार दिया। इमरान ने कहा कि पाक टीम का प्रदर्शन ख्रराब होने के पीछे क्रिकेट बोर्ड और प्रशासक हैं। इमरान ने सोशल मीडिया पर कहा, क्रिकेट को पूरा देश देखता है पर इसे भी असरदार लोगों ने समाप्त कर दिया है जिन्होंने कहा कि सरकार ने अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए अयोग्य, पसंदीदा अधिकारी को इसमें बिठाया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, पहली बार हम विश्व कप में शीर्ष चार या टी20 में शीर्ष आठ में जगह नहीं बना पाए। इसके बाद अब हमें बांग्लादेश के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिसने एक नया निचला स्तर स्थापित किया है। वहीं ढाई साल पहले इसी टीम ने भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया था। इन ढाई सालों में ऐसा क्या हुआ कि हम बांग्लादेश से तक हम 10 विकेट से हार गए।

आईसीसी के नये चेयरमैन बने जय शाह की राह आसान नहीं

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर पीसीबी की मांग से निपटना होगा

मुम्बई। जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए चेयरमैन बन गये हैं पर उनके लिए राह आसान नहीं रहेगी। जय शाह को एक दिसंबर से आईसीसी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालनी होगी। इसके बाद उनके सामने सबसे कठिन चुनौती अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन रहेगी। उनके आईसीसी प्रमुख रहते हुए पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने की मांग करेगी। वहीं पाक के राजनीतिक हालातों को देखते हुए भारतीय टीम के पाक जाने की कोई संभावना नहीं है। अगर भारत सुरक्षा कारणों से अपनी टीम पाक भेजने से इंकार करता है और बाकी टीमें वहां आने को तैयार हैं, तो फिर यह मामला आईसीसी के पास जाएगा। ऐसे में पीसीबी आईसीसी से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत करेगा। तब शाह को तटस्थ रहते हुए इस पर अपना फैसला देना होगा जो आसान नहीं रहेगा। जय शाह बीसीसीआई सचिव के साथ-साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन भी रहे हैं। एसीसी चेयरमैन रहते हुए उन्होंने एशिया कप 2023 की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल का समर्थन किया था। इसके चलते पाक को अपनी मेजबानी के कुछ मैच श्रीलंका की सह मेजबानी में कराने पड़े थे। अब यह देखना होगा कि जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर इस बार हालातों का किस प्रकार सामना करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल में ही होने की संभावना है। इस मॉडल के तहत टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान ही रहेगा पर भारतीय टीम के मैच किसी अन्य स्थल पर होंगे।

व्यापार

जन-धन योजना ने गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में शामिल किया : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है। सीतारमण ने कहा कि ये योजना गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सीतारमण ने देश में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन-प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के सफलतापूर्वक एक दशक (दस वर्ष) पूरा होने के अवसर पर जारी एक बयान में ये बात कही। उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई की शुरुआत के बाद से अबतक 53.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधा मिली है। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमजेडीवाई लाभार्थियों के खातों में कुल जमा राशि 2,31,236 करोड़ रुपये है। पीएमजेडीवाई खाते मार्च, 2015 में 15.67 करोड़ से 3.6 गुना बढ़कर 14 अगस्त, 2024 तक 53.14 करोड़ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 55.6 फीसदी जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं, जबकि करीब 66.6 फीसदी जन-धन खाते ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में हैं। वहीं, पीएमजेडीवाई खाताधारकों को 36.14 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना से जन-धन, मोबाइल एवं आधार को लिंक करते हुए सहमति आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन परिवेश का एक सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है जिसने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को पात्र लाभार्थियों के खाते में त्वरित, निर्बाध एवं पारदर्शी तरीके से हस्तांतरित करने में सक्षम बनाया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इस योजना के दस वर्ष पूरा होने की पूर्व संध्या पर कहा था कि सरकार की योजना चालू वित्त वर्ष में 3 करोड़ और अकाउंट खोलने की है। पीएमजेडीवाई के दस वर्ष पूरा होने पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि ये योजना न केवल मिशन मोड में शासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि अगर सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो तो वह क्या नहीं हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत किए गए प्रयासों ने प्रभावी तौर पर परिवर्तनकारी एवं दिशात्मक बदलाव किए हैं। इससे बैंक एवं वित्तीय संस्थान समाज के अंतिम व्यक्ति यानी सबसे गरीब व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में समर्थ हुए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत बैंक खाता खोलने के लिए कोई शुल्क या रखरखाव शुल्क नहीं लिया जाता है और इसके लिए खाते में न्यूनतम शेष राशि को बनाए रखने की कोई जरूरत नहीं है।

पीएमजेडीवाई के तहत अब तक जारी किए गए 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के दस साल पूरा हो गए हैं। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है। पीएमजेडीवाई के तहत 14 अगस्त, 2024 तक 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी। वित्तीय समावेशन के तहत रुपे डेबिड कार्ड धारक को 2 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को देश में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के सफलतापूर्वक एक दशक पूरा होने पर रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड की विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड धारक को प्रति संपर्क रहित लेन-देन के लिए 5,000 रुपये तक की निकासी पर किसी पिन की जरूरत नहीं है। ये कार्ड उपयोगकर्ता को सभी एटीएम, पीओएस टर्मिनल और ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर लेन-देन करने की अनुमति देता है। मंत्रालय के मुताबिक रुपे पीएमजेडीवाई डेबिट कार्ड धारक को प्रतिदिन संपर्क रहित तीन लेन-देन करने की अनुमति दी गई है। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) 2 लाख रुपये के कवरेज के साथ आकस्मिक मृत्यु और स्थायी कुल विकलांगता बीमा भी प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय समावेशन पीएमजेडीवाई के तहत सरकार ने 14 अगस्त 2024 तक 36.14 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी किए हैं, जबकि 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी। रुपे प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) कार्ड उन लोगों को जारी किया जाता है, जिन्होंने पीएमडीजेवाई के तहत खाते खोले हैं।

एकीकृत पेंशन योजना राज्यों के लिए जरुरी नहीं, ले सकते हैं स्वतंत्र निर्णय

वित्तमंत्री सीतारमण बोलीं-किसी निर्णय को वापस लेना यू-टर्न नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) राज्यों के लिए जरुरी नहीं है। राज्य स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं। वित्तमंत्री ने उम्मीद जताई कि ज्यादातर राज्य यूपीएस को लागू करेंगे क्योंकि इसमें कर्मचारियों के लिए बहुत दिए गए लाभ हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में सुधार करने का प्रयास है। यूपीएस पेंशन की गारंटी लागू करना किसी निर्णय को वापस लेना यू-टर्न नहीं है। यह एक नया पैकेज है। केंद्र सरकार यूपीएस लाने की घोषणा के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी ने पहले इसे रोलबैक सरकार कहते हुए चुटकी ली थी। वित्तमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नारेबाजी करने वाली पार्टी बन गई है। 9 सितंबर को जीएसटी परिषद की बैठक के एजेंडे पर चर्चा करते हुए सीतारमण ने कहा कि इसमें जीएसटी दरों को वाजिब बनाने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रियों का समूह रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और बैठकें करेगा। यूपीएस उन समस्याओं का समाधान करेगा जो पुरानी पेंशन योजना और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सामने आई है। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की सेवा 25 साल से कम है तो यूपीएस के तहत लाभ आनुपातिक आधार पर दिया जाएगा। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण यूपीएस के कोष की जिम्मेदारी संभालेगा। वित्तमंत्री ने साफ किया कि यूपीएस के लिए कर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पेंशन से जुड़े लाभ देने के लिए केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने बीते शनिवार को यूपीएस को मंजूरी दी थी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगी और केंद्र सरकार के 23 लाख कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। सरकार के मुताबिक यूपीएस में बकाया भुगतान के मद में 800 करोड़ रुपए की जरूरत होगी और पहले साल इस योजना पर करीब 6,250 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला

मुम्बई। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ खुला। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही शुरुआती कारोबार में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी मामूली बढ़त के साथ खुला। शुरुआत में ही सेंसेक्स 74.59 अंक करीब 0.09 फीसदी बढ़कर 81,786.35 अंक पर जबकि निफ्टी 19.50 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी ऊपर आकर 25,037.30 अंक पर कामकाज कर रहा था। आज सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 20 अंक नीचे आकर 24,998 पर कारोबार कर रहा था जिससे अंदाजा होता है कि बाजार में नकारात्मक माहौल है। वहीं एशियाई बाजार में गिरावट रही। ऑस्ट्रेलिया के मुद्रास्फीति डेटा से पहले एएसएक्स 200 0.47 फीसदी नीचे आया। निक्केई में 0.21 फीसदी और कोस्पी में 0.27 फीसदी की गिरावट रही। फेड चेयर जेरोम पॉवेल के इस बयान के बाद कि केंद्रीय बैंक नीतिगत ब्याज दरों में कटौती के लिए तैयार है। बाजारों को मौद्रिक नीति में शीघ्र ही बदलाव होने की उम्मीद है। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस दौरान एसएंडपी 500 0.16 फीसदी बढ़ा, जबकि डॉव जोन्स 0.02 फीसदी और नैस्डैक 0.16 फीसदी बढ़ा। वहीं गत कारोबारी में भी बाजार में सपाट कारोबार हुआ था। निफ्टी पर ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, इन्फ्रा और रियल्टी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स हैं। फिन सर्विस, मेटल और प्राइवेट बैंक इंडेक्स पर दबाव बना हुआ है। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, सन फार्मा, टाइटन, विप्रो, रिलायंस, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों का कहना है कि बॉन्ड यील्ड में गिरावट के कारण एफआईआई (विदेशी निवेशक) खरीददार बन गए हैं। अगर पुराने रुख को देखा जाए तो जब भी विदेशी निवेशक खरीदारी करते हैं तो बाजार में डीआईआई बिकवाली करते हैं पर सीमित दायरे में होने के बाद भी बाजार का रुझान सकारात्मक है। वहीं गत दिवस बाजार ने एक सीमित दायरे में ही कारोबार किया था। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 13.65 अंक की हल्की बढ़त के साथ 81,711 और निफ्टी 7 अंक की बढ़त के साथ 25,017 पर बंद हुआ था।

मुंबई का स्पेशल नाश्ता जेनिफर विंगेट की सुबह को बनाता है शानदार

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने अपने फैंस को सुबह के नाश्?ते की झलक दिखाई, जिसमें बन मस्का और चाय को देखा जा सकता है। इंस्टाग्राम पर जेनिफर के 8.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प?लेटाफॉर्म पर शेयर की गई स्टोरीज में उन्?होंने अपने सुबह के नाश्?ते की फोटो शेयर की है। यह तस्?वीर उन्?होंने अपनी कार पर ली है। कार के बोनट पर बन मस्का और कुल्हड़ चाय की प्लेट देखी जा सकती है। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, बन मस्का और चाय चलते-फिरते! एक अन्य स्टोरी में उन्होंने फर्श पर बैठे तीन डॉग्स की तस्वीर शेयर की। इसे कैप्शन दिया गया है, स्पॉटेड। विंगेट ने 1995 की फिल्म अकेले हम अकेले तुम से एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2002 में शाका लाका बूम बूम के साथ टेलीविजन पर कदम रखा। बच्चों के इस फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजन शो में विशाल सोलंकी ने संजू की मुख्य भूमिका निभाई थी। इसमें हंसिका मोटवानी ने करुणा की भूमिका निभाई थी। जेनिफर ने कुसुम में सिमरन, कोई दिल में है में प्रीति, कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज गिल, क्या होगा निम्मो का में नताशा, कहीं तो होगा में स्वेतलाना और संगम में गंगा भाटिया की भूमिकाएं निभाई हैं। उन्हें दिल मिल गए में डॉ. रिद्धिमा गुप्ता के किरदार से पहचान मिली। स्टार वन पर प्रसारित होने वाला मेडिकल ड्रामा शो संजीवनी - ए मेडिकल बून का सीक्वल था। इसमें करण सिंह ग्रोवर, शिल्पा आनंद, करण वाही और मोहनीश बहल शामिल थे। जरा नच के दिखा 1 की विनर रहीं जेनिफर नचले वे विद सरोज खान, कॉमेडी का महा मुकाबला, लाफ्टर के फटके और देख इंडिया देख की होस्ट रह चुकी हैं। वह सरस्वतीचंद्र में भी नजर आ चुकी हैं। 39 वर्षीय अभिनेत्री ने रोमांटिक थ्रिलर बेहद में माया की भूमिका निभाई है, जिसमें कुशाल टंडन और अनेरी वजानी भी उनके साथ हैं। वह वर्तमान में कानूनी ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में नजर आ रही हैं। यह वेब सीरीज कानूनी पेशेवरों के जीवन को दर्शाती है, नैतिक दुविधाओं की पेचीदगियों और आसान रास्ते के बजाय सही रास्ता चुनने की चुनौती को दिखाती है। इस शो में करण वाही और रीम शेख भी हैं। यह सोनी लिव पर स्ट्रीम होता है।

शोभिता धुलिपाला ने शेयर किया बोल्ड लुक

तस्वीरें इंटरनेट पर हो रहीं वायरल

लोरियल के लिए बैकग्राउंड मॉडल के रूप में करियर की शुरूआत करने वाली एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं। दरअसल, बीते दिनों पहले उन्होंने साउथ के सुपरस्टार नागा चैतन्य संग सगाई की थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। वेब सीरीज द नाईट मैनेजर में एक्टर अनिल के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। बीते दिनों पहले एक्ट्रेस ने साउथ के सुपरस्टार नागा चैतन्य के साथ सगाई कर ली है, जिसके बाद से वो लाइमलाइट में आ गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जबरदस्त पोस्ट शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और किलर अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने व्हाइट कलर का स्लीवलेस ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि शोभिता सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से भी जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

राजपाल यादव की फिल्म पड़ गए पंगे का ट्रेलर आउट, फनी डायलॉग और कॉमेडी से है भरपूर

कॉमेडी फिल्म पड़ गए पंगे का बेहद फनी और एंटरटेनिंग ट्रेलर आउट कर दिया गया है जो सोशल मीडिया पर काफी लाइक किया जा रहा है। ट्रेलर में हम राजपाल यादव, राजेश शर्मा और पंचायत फ़ेम फ़ैसल मलिक के साथ ही इस फिल्म से डेब्यू कर रहे समर्पण सिंह और राजेश यादव को फनी रूप में देख सकते हैं। ट्रेलर की शुरुआत होती हैं बेहद नाटकीय संवाद के साथ तरीके से समर्पण सिंह कहते हैं अलविदा ए जिंदगी और राजेश शर्मा कहते हैं हे ईश्वर मरणोपरांत हेम अपने श्री चरणों में स्थान दे देना । राजेश शर्मा और समर्पण सिंह आत्महत्या के लिए काउंटडाउन रुक जाता हैं जब राजेश शर्मा बताते हैं की 3 बजे आत्महत्या ठीक नहीं यह भूत प्रेत का समय होता हैं आत्मा सालों साल भटकती रहेगी कल मर लेते हैं । ट्रेलर के दूसरे हिस्से में आयुष (समर्पण सिंह) का इंट्रो सीन में शादी तय हो रही हैं और उनकी गर्लफ्रेंड हनीमून का वेन्यू के बारे में पूछ रही हैं तो उनके टीचर शास्त्री जी (राजेश शर्मा) का इंट्रो है की मोहल्ले में उनकी बहुत इज्जत हैं लेकिन घर में नहीं हैं फिर आते है जग्गू (राजेश यादव) आते हैं जो ख़ुद को मनी एडवाइजर बताते हुए एक दिन में पैसा डबल करने की गारंटी देते हैं । ट्रेलर के अगले हिस्से में डॉक्टर आयुष और शास्त्री जी को बेहद ही अलग किस्म के कैंसर की बीमारी होने की बात बताते हुए 30 से 40 का खर्च बताया लेकिन यह 40 हज़ार नहीं बल्कि लाख हैं बहुत ही एंटरटेनिंग तरीके से ट्रेलर में यह सीन हँसाता हैं फिर राजपाल यादव आते हैं बोलते है यह सुनकर बहुत दुख हुआ । एक और दृश्य में राजपाल यादव कहते हैं चूहे मारने वाली दवा से चूहे नहीं मरते इंसान क्या मरेंगे । ट्रेलर के आखिरी हिस्से में आते हैं पंचायत फ़ेम फैसल मलिक जो एक अल्ट्रा मॉर्डन गैंगस्टर हैं रिवाल्वर में तीन गोलियाँ भरकर बेहद फनी रॉंग इंग्लिश वाला डायलॉग बोलते हैं कई सारे फनी दृश्य और डायलॉग के साथ लास्ट में फिर राजपाल यादव बोलते हैं यह हैं मेरी गर्लफ्रेंड विस्तारा । और जब एयरलाइन का नाम विस्तारा हो सकता हैं तो मेरी गर्लफ्रेंड का क्यों नहीं ।बैकग्राउंड में चल रहे फनी सांग मोये मोये के साथ यह बेहद ही कॉमेडी दृश्य और संवादो से भरा 2 मिनट और 16 सेकंड का ट्रेलर बहुत ही प्रोमिसिंग लग रहा हैं ट्रेलर एक मस्ती भरी फिल्म की गारंटी देता है। इस फिल्म से समर्पण सिंह बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं जो मुख्य किरदार आयुष को निभा रहे हैं जिसके इर्दगिर्द यह कहानी घूमती है। फिल्म में राजेश शर्मा ने एक रिटायर्ड और खुशमिजाज गणित शिक्षक शास्त्री जी का रोल किया है। वह अपने पुराने घर में रहते हैं, जो उनकी दिवंगत पत्नी सुधा की यादों से भरा हुआ है। वह अपने बेटे नीलेश और बहू मधु के साथ रहते हैं लेकिन उनकी बहू मधु शास्त्री जी की अजीबोगरीब हरकतों से परेशान है और प्राइवेसी की कमी से निराश होकर अपने पति के साथ एक नए घर में जाना चाहती है। कहानी में मोड़ तब आता है जब एक सुबह शास्त्री जी का पूर्व छात्र आयुष, जो एक बैंक मैनेजर है, उनसे अचानक मिलने आता है। आयुष का शहर में ट्रांसफर हो गया है और वह अपनी बचपन की प्रेमिका पारुल से सगाई करने जा रहा है। उसके बाद कुछ ऐसी घटनाएं घटती हैं जो कन्फ्यूजन, ड्रामा और कॉमेडी क्रिएट करती हैं। फिल्म पड़ गए पंगे में राजपाल यादव कैप्टन जहाज सिंह के रोल में और राजेश यादव जग्गू के रूप में नजऱ आएंगे। पंचायत फ़ेम उपप्रधान फैसल मलिक ने भैया जी की भूमिका और वर्षा रेखाते ने चारू का किरदार निभाया है। इस पिक्चर से फिल्म जगत में एंट्री करने जा रहे समर्पण सिंह का कहना है कि पड़ गए पंगे मेरे लिए परफेक्ट लॉन्चिंग सिनेमा है, जिसमे एक हिंदी फिल्म का पूरा मसाला है। ड्रामा है, रोमांस है, कॉमेडी है, इमोशन है और रोमांटिक गाने हैं। मुझे अपनी पहली ही फिल्म में राजेश शर्मा और राजपाल यादव जैसे जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला ।प्राची फिल्म्स और एटर एक्शन के बैनर तले निर्मित ब्राइट आउटडोर मीडिया द्वारा प्रस्तुत फिल्म पड़ गये पंगे के निर्माता गौतम शर्मा और योगेश लखानी हैं फिल्म के निर्देशक संतोष कुमार हैं फिल्म में मुख्य भूमिका में समर्पण सिंह के साथ राजेश शर्मा , राजपाल यादव, राजेश यादव, फ़ैसल मलिक और वर्षा रेखाटे प्रमुख भूमिकाओं में नजऱ आयेंगे। फिल्म पड़ गये पंगे 30 अगस्त को सिनेमागृहों में रिलीज़ होगी। फिल्म के टीजऱ को लोगों का शानदार रेस्पॉन्स मिल रहा है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो जारी

आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाता दिख रहा विपक्ष

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो रिलीज हो गया है. हाल ही में सॉन्ग सिंहासन खाली करो का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का एलान किया गया था. सिंहासन खाली करो में फिल्म इमरजेंसी की पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है. सिंहासन खाली करो सॉन्ग एक जज्बे और जोश से भरा गाना है. सिंहासन खाली करो गाना फिल्म की रिलीज से 10 दिन पहले रिलीज हुआ है. सॉन्ग सिंहासन खाली करो को उदित नायाराण, नकाश अजीज, नकुल अभयंकर ने मिलकर गाया है. सिंहासन खाली करो गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं. गाने को जीवी प्रकाश कुमार ने कंपोज किया है. गाने में कंगना रनौत, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आ रहे हैं. कंगना रनौत को भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के रोल में देखा जा रहा है. गाने में इमरजेंसी लगने के बाद के सीन दिखाए जा रहे हैं, जिसमें विपक्ष और आम जनता पर

पुलिस की लाठी बरस रही हैं. गाने के बीच-बीच में कंगना रनौत फिल्म के कुछ अहम डायलॉग बोलती दिख रही हैं. फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी का रोल प्ले करने जा रही हैं. फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक को जगजीवन राम, विशाक नायर को संजय गांधी, मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ, महिमा चौधरी को पुपुल जयाकर, श्रेयस तलपड़ को अटल बिहारी वाजपेयी और अनुपम खेर को जेपी नारायण के रोल में देखा जाएगा.

हाथ में गन, खून से लथपथ फिल्म युध्रा से सिद्धांत चतुर्वेदी का फस्ट लुक रिवील

रिलीज डेट का भी ऐलान

गली ब्वॉय और गहराईयां जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाले एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही बड़े पर्दे पर एक्शन करते हुए नजर आएंगे. दरअसल उनकी फिल्म युध्रा 2021 में अनाउंस हुई थी. जिसके बाद कोविड के कारण उनकी फिल्म की शूटिंग रुक गई थी. अब फाइनली मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म युध्रा आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. आइए जानते हैं कब रिलीज होगी फिल्म. फरहान अख्तर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नया पोस्टर शेयर किया जिसमें सिद्धांत का एक्शन अवतार नजर आ रहा है. एक पोस्टर में वे हाथ में बंदूक लिए खून से लथपथ नजर आ रहे हैं. वहीं दूसरे पोस्टर में उनके साथ मालविका मोहनन हैं और दोनों खून से सने हुए हैं. पोस्टर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में धांसू एक्शन देखने को मिलेगा. नया पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. फिल्म 20 सितंबर 2024 से सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म के डायरेक्टर रवि उदयावर है वहीं इसकी कहानी श्रीधर राघवन ने लिखी है, इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं. युध्रा में सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन लीड रोल में हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी की अपकमिंग फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की धड़क 2 है जिसमें वे तृप्ति डिमरी के

साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं. वहीं मालविका प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी.

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर मचा रही धमाल

400 करोड़ का आंकड़ा किया पार, वर्ल्डवाइड 560 करोड़

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रखा है. फिल्म स्त्री 2 को बॉक्स ऑफिस पर 11 दिन हो गये हैं. इन 11 दिनों में फिल्म स्त्री 2 ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म स्त्री 2 साल 2024 की बॉलीवुड की ओर से सबसे कमाऊ फिल्म साबित हुई है. फिल्म स्त्री 2 ने साल 2024 की सबसे कमाऊ बॉलीवुड की फिल्म फाइटर (353 करोड़ रुपये.) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. वहीं, फिल्म ने अपने दूसरे वीकेंड में 100 करोड़ रुपये के करीब कलेक्शन कर मोटा पैसा कमाया है. वहीं, फिल्म स्त्री 2 ने 11वें दिन बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. आइए जानते हैं स्त्री 2 ने 11वें दिन और अपने दूसरे वीकेंड पर कितना पैसा कमाया है. अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2 ने 11वें दिन 40 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है. इसी के साथ स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म का 11 दिनों का कुल घरेलू नेट कलेक्शन 402 करोड़ रुपये हो गया है. फिल्म ने शनिवार को 33.8 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. अब

ऐसे में अपने दूसरे रविवार को फिल्म ने कमाई का ढेर लगा दिया है.वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 560 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. ‘स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट दिया है. ये फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. दूसरे संडे को एक बार फिर ‘स्त्री 2 ने छप्परफाड़ कमाई की है. इसी के साथ राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की ये फिल्म 400 करोड़ के पार हो गई है. ‘स्त्री 2 की कमाई की रफ्तार देखते हुए तो साफ लग रहा है कि आने वाले दिनों में ये फिल्म खूब कारोबार करेगी और कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक करेगी.बता दें कि ‘स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी ने अहम रोल प्ले किया है.फिल्म में अक्षय कुमार, तमन्ना भाटिया और वरुण धवन ने कैमियो किया है.